THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है

हिन्दी समाचार पत्र

द अनकवर्ड अपडेट

कवर के पीछे की खबर | Digital Edition | RJHIN/25/A4779

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, शुक्रवार 27 नवंबर, 2026 | » वर्ष: 01 » अंक: 33 » पृष्ठ: 8 » मूल्य: 2.00 रू.

एक नजर



यूपी चुनाव 2027: जनसत्ता दल ने जारी की पहली सूची, कुंडा से मैदान में उतरे राजा भैया

लखनऊ (एजेंसी)। जनसत्ता दल ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों के बीच गुरुवार को तीन विधानसभा क्षेत्रों के लिए अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी। पार्टी ने कुंडा सीट से अपने प्रमुख नेता और विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी के आधिकारिक बयान के अनुसार, विधानसभा क्षेत्र कुंडा (246) से विधायक कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया चुनाव लड़ेंगे। वहीं, बाबागंज (245) सीट से विधायक विनोद सरोज को प्रत्याशी घोषित किया गया है।



संविधान निर्माताओं को भगवान श्री राम के शासनकाल से बहुत प्रेरणा मिली थी : नितिन नवीन

पटना (एजेंसी)। भाजपा द्वारा पटना के ज्ञान भवन में आयोजित संविधान गौरव दिवस कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने संविधान निर्माताओं को नमन करते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज जब हम संविधान गौरव दिवस मना रहे हैं, तो हमारे सामने संविधान की एक प्रति उसके पूर्ण रूप में रखी गई है। नितिन नवीन ने लोगों कहा, सबसे पहले, मैं हमारे संविधान के निर्माताओं - भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी, डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी, सरदार वल्लभभाई पटेल जी, सच्चिदानंद सिन्हा जी और इन सभी महान विभूतियों को सादर नमन करता हूं।



खड़गे का पीएम मोदी पर हमला, बोले-यूपी की जनता ने भाजपा के अश्वमेध का घोड़ा रोका

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को केंद्र की भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की जनता ने भाजपा के अश्वमेध के घोड़े को रोक दिया है। प्रधानमंत्री पहले अबकी बार 400 पार का नारा देते थे लेकिन जनता ने ऐसा सबक सिखाया कि अब उनकी बोलती बंद हो गई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मोदी सरकार दो सहयोगियों के सहारे खड़ी है। एक पैर तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) का और दूसरा नीतीश कुमार का है।

सीएम बोले-संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं कई कांग्रेस नेता

वे बचपन से देखते आ रहे हैं कि कैसे उनका परिवार संविधान की मर्यादा को तार-तार करता रहा

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संविधान दिवस के मौके पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कई नेता असल में उन्होंने बचपन से यही सीखा है। उन्होंने बचपन से देखा है कि कैसे उनका परिवार संविधान की मर्यादा को तार-तार करता रहा है। सीएम ने कहा कि इंदिरा गांधी ने 39वें और 42वें संशोधन के जरिए संविधान को बदलने का प्रयास किया। कांग्रेस ने अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के लिए हमेशा संवैधानिक संस्थाओं को ताक पर रखने का काम किया। कांग्रेस ने बार-बार राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाया। अकेले इंदिरा गांधी ने 50 बार राष्ट्रपति शासन लगाने का काम किया। सीएम भजनलाल शर्मा आज(गुरुवार) जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में बीजेपी के संविधान गौरव दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।





कांग्रेस ने संविधान दिवस को महत्व नहीं दिया

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि संविधान दिवस की इस महत्वपूर्ण तारीख को पहले उतना महत्व नहीं मिला, जितना महत्व मिलना चाहिए था। क्योंकि जो लोग यह नहीं चाहते थे कि यह महत्वपूर्ण काम जो बाबा साहब ने किया था, उसे देश की जनता जाने।



प्रधानमंत्री ने की 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने की शुरूआत

सीएम ने कहा कि इस तारीख को महत्व देने का काम हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। उन्होंने साल 2015 से हर साल देश में 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने की शुरुआत की।

जितेंद्र सिंह बोले- कांग्रेस ने बाबा साहब का किया तिरस्कार

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने पारिवारिक राजनीति के चलते बाबा साहब अंबेडकर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल जैसे अनेकों उस समय के हमारे वरिष्ठ नेताओं का तिरस्कार किया और उनका इतिहास में से नाम सदा के लिए मिट जाए, उसकी लगातार कोशिश की गई। लेकिन भगवान को शायद यह मंजूर था कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने और उनके हाथों इसका प्रायश्चित हो।

नेहरू-गांधी परिवार ने नहीं चाहा कि भारत के इतिहास में कोई और नाम जीवित रहे

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नेहरू-गांधी परिवार कभी यह नहीं चाहता था कि भारत के इतिहास में कोई और नाम जीवित रहे, जो उनकी आने वाली पीढ़ियों के लिए इस परिवारवाद को आगे बढ़ाने में बाधा डाले।



विपक्षी पार्टी मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है:मोदी

वह OBC आरक्षण में कटौती को तैयार; नारी शक्ति वंदन बिल रोकना महिलाओं का अपमान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को संविधान दिवस पर ब्लॉग लिखकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी ओबीसी आरक्षण में कटौती करके मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। संविधान निर्माता, खासकर डॉ. भीमराव आंबेडकर, इसके पूरी तरह खिलाफ थे। मोदी ने नारी शक्ति वंदन बिल का जिक्र करते हुए लिखा कि विपक्ष के एक प्रमुख दल ने महिलाओं को आरक्षण देने के लिए लाए गए विधेयक को पारित नहीं होने दिया। इससे एक बार फिर साबित हो गया कि उस दल के मन में संवैधानिक मूल्यों के प्रति कितना कम सम्मान है।

पीएम बोले- नारीशक्ति को न्याय दिलाने का संकल्प नहीं रुकेगा

मोदी ने ब्लॉग में लिखा- इस साल के शुरू में जो हुआ, उसने हम सभी को शर्मसार कर दिया। संविधान की यात्रा उन महिलाओं को याद किए बिना पूरी नहीं हो सकती, जिन्होंने इसे बनाने में अहम भूमिका निभाई। पीएम ने लिखा- मैं देश की नारीशक्ति को भरोसा दिलाता हूं कि उन्हें न्याय दिलाने के हमारे संकल्प को दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती। मोदी ने नक्सलवाद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा- दशकों तक देश के अनेक हिस्सों में, खासकर आदिवासी क्षेत्रों में, नक्सलियों ने बंदूक के दम पर सबसे गरीब व्यक्ति को उन अधिकारों से वंचित रखा।

जयपुर में कांग्रेस के सुनील कुमावत बने उपजिला प्रमुख



जयपुर। जयपुर में कांग्रेस के सुनीत कुमावत उपजिला प्रमुख बने है। सुनील कुमावत वार्ड 18 से जिला परिषद मेंबर हैं। सुनील कुमावत को 41 वोट मिले व बीजेपी प्रत्याशी सीताराम शर्मा को 13 वोट मिले है। वहीं 1 वोट रिजेक्ट हो गया। कुल 57 में से 55 सदस्यों ने वोटिंग की थी। RLP पार्टी के 2 सदस्य वोट करने नहीं आये। सीताराम शर्मा वार्ड 35 से जिला परिषद मेंबर हैं। सुनील कुमावत ने बीजेपी की पूर्व जिला प्रमुख रमा चोपड़ा को हराया था। जयपुर में यशवीर सूरा जिला प्रमुख बन चुके हैं। सूरा जाट समाज से आते हैं। अब उप जिला प्रमुख में कुमावत समाज के नेता को मौका देकर कांग्रेस ने जातीय समीकरण साधने का प्रयास किया गया है। जयपुर में 57 में से 42 जिला परिषद मेंबर कांग्रेस के हैं, ऐसे में यहां उप जिला प्रमुख में भी कांग्रेस की जीत तय मानी जा रही थी। जिला प्रमुख के चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार को 42 वोट मिले थे।

5 बजे तक उपजिला प्रमुख के रिजल्ट- उप जिला प्रमुख चुनाव के लिए 11 बजे तक नामांकन हुआ इसके बाद स्कूटनी का वक्त तय किया। 3 से 5 बजे के बीच वोटिंग हुई। वोटिंग खत्म होने के तत्काल बाद गिनती होकर रिजल्ट घोषित किया गया।



तिरुपति में चेन्नई के दंपती ने 121 किलो सोना दिया

कीमत रु.208 करोड़; यह किसी भक्त का अब तक का सबसे बड़ा दान

तिरुपति(एजेंसी)। तिरुमला के तिरुपति मंदिर में चेन्नई के एक भक्त ने गुरुवार को 121 किलो सोने के आभूषण दान किए। इनकी कीमत करीब 208 करोड़ रुपए है।

यह दान वर्धमान जैन और उनकी पत्नी राधिका जैन ने दिया है। यह दान मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की मौजूदगी में हुआ।

इस दान में 9 सेट में रखे 45 जेवर और 238.2 कैरेट के हीरे शामिल हैं। इनमें श्रीवारु (भगवान वेंकटेश) का मुकुट और पद्म पादालु यानी पैरों के आभूषण भी शामिल हैं। TTD के मुताबिक, तिरुमला में भगवान वेंकटेश्वर को किसी एक भक्त की ओर से दिया गया यह अब तक का सबसे बड़ा चढ़ावा है।



जैन ने कंपनी में अपना हिस्सा बेचा, उसी रकम से जेवर बनवाए

चेन्नई की कंपनी वारा फ्यूचर एलएलपी के चेयरमैन वर्धमान जैन ने 121 किलो सोना दान किया। वर्धमान ने कंपनी में अपनी 60% हिस्सेदारी बेचकर 6000 करोड़ रुपए हासिल किए थे। इसी रकम में से वर्धमान ने भगवान श्री वेंकटेश्वर को यह सोना दान किया।

सुप्रीम कोर्ट बोला-बिना मंजूरी वाले पद पर स्थायी नियुक्ति नहीं

कर्मचारी का योग्यता का दावा मान्य नहीं, पद का अस्तित्व में होना जरूरी



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कर्मचारी सिर्फ योग्य होने के आधार पर बिना मंजूरी वाले पद पर नियुक्ति नहीं मांग सकता। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की बेंच ने एक लेक्चरर की अपील को खारिज कर दिया। लेक्चरर ने अपनी अर्जी में जरूरी शैक्षणिक योग्यता हासिल करने की तारीख से ही नौकरी में स्थायी समायोजन (Absorption) की मांग की थी।

गोविंददेवजी मंदिर में बदला दर्शन का समय

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर के आराध्य गोविंददेवजी मंदिर में आज(गुरुवार) से दर्शन और आरती का समय बदल गया है। अब मंगला आरती सुबह 4 बजे की जगह 5 बजे होगी। मंदिर में दर्शन की नई समय-सारणी 6 अप्रैल तक लागू रहेगी। श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए पहुंचने से पहले बदले हुए समय का ध्यान रखना होगा। पूर्णिमा 23 दिसंबर, 22 जनवरी, 20 फरवरी और 22 मार्च को रहेगी।

हमारी सरकार ने एक दशक पहले संविधान दिवस मनाने की परंपरा शुरू की : नितिन नवीन



नई दिल्ली । नितिन नवीन ने संविधान दिवस पर प्रधानमंत्री का ओप-एड शेयर किया। इसमें नागरिकों के बीच संवैधानिक जागरूकता, लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों पर जोर और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करके विकसित भारत बनाने के सपने को आगे बढ़ाने की बात पर प्रकाश डाला गया है। पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने ही एक दशक पहले हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया था।

राजस्थान में तापमान

राजस्थान में तापमान 1.5 डिग्री,शीतलहर का अलर्ट

जयपुर। राजस्थान में सर्द हवा के कारण पारा लगातार गिरने से रात में सर्दी बढ़ गई है। बीते 24 घंटे में माउंटआबू में सबसे ज्यादा ठंड रही। यहां न्यूनतम तापमान करीब 1.5 डिग्री रहा। अधिकांश शहरों में 1 से 2 डिग्री तक पारा गिरा है। बाड़मेर, जैसलमेर को छोड़कर सभी शहरों का न्यूनतम तापमान बुधवार को 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। मौसम विभाग ने राज्य में अगले एक सप्ताह मौसम साफ रहने और शीतलहर का असर रहने की संभावना जताई है।

माउंटआबू में ओस जमी, पारा गिरा

हिल स्टेशन माउंटआबू में लगातार सर्दी बढ़ रही है। दो दिन रात का पारा 3 डिग्री के करीब रहने के बाद फिर से तापमान में गिरावट हुई है। यहां कई इलाकों में गुरुवार सुबह गाड़ियों व फसलों पर ओस जमी नजर आई।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग | **चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 'डेडिकेटेड इंटरवेंशन एंड लाइफ सेविंग इमरजेंसी' कार्यक्रम संचालित**

मार्च 2027 तक कम से कम एक करोड़ नागरिकों को सीपीआर प्रशिक्षण देने का लक्ष्य

जयपुर(नि.सं.)। प्रदेश में हृदयाघात एवं कार्डियक अरेस्ट जैसी जानलेवा आपातकालीन स्थिति में समय पर जीवन बचाने के उद्देश्य से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 'डेडिकेटेड इंटरवेंशन एंड लाइफ सेविंग इमरजेंसी' (डीआईएलएसई) कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को जीवन रक्षक कौशल से प्रशिक्षित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मार्च 2027 तक प्रदेश के कम से कम एक करोड़ नागरिकों को कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन यानी सीपीआर का प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि डेडिकेटेड इंटरवेंशन एंड लाइफ सेविंग इमरजेंसी' कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश में सीपीआर, ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर (एईडी) के उपयोग तथा हृदयाघात की समय रहते पहचान एवं उपचार की क्षमता विकसित करना है। उन्होंने कहा कि कार्डियक अरेस्ट जैसी आपात स्थिति में चिकित्सा सहायता पहुंचने से पहले सीपीआर एवं एईडी का सही उपयोग किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग के साथ आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए प्रदेशव्यापी जीवन रक्षक प्रशिक्षण नेटवर्क तैयार किया जाएगा। राठौड़ ने बताया कि कार्यक्रम के प्रथम चरण में जयपुर जिले के लिए 25 एवं 26 नवम्बर को झालाना डूंगरी स्थित राजकीय प्रशिक्षण केंद्र में दो दिवसीय ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (टीओटी) आयोजित की गयी। इसमें करीब 40 चिकित्सकों को सीपीआर, एईडी संचालन तथा एसटी-एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन (एसटीईएमआई) की पहचान के लिए ईसीजी का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया है। इसका उद्देश्य जिला स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स तैयार करना है।



जयपुर पुलिस कमिश्नर शनिवार 28 नवम्बर को पुलिस थाना खोरा बिसल पर करेंगे जनसुनवाई

जयपुर,। आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नर श्री सचिन मित्तल 28 नवम्बर (शनिवार) को दोपहर 11.30 से 01.30 बजे तक पुलिस थाना खोरा बिसल पर जनसुनवाई करेंगे। इस दौरान झोटवाड़ा सर्किल के खोरा बिसल, झोटवाड़ा, करधनी, मुरलीपुरा और कालवाड़ थानों के परिवादियों की जनसुनवाई की जाएगी।

THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है
हिन्दी समाचार पत्र
जयपुर अपडेट
गुलाबी शहर की हर खबर
| Digital Edition |
RJHIN/25/A4779
शुक्रवार, 27 नवंबर, 2026

बूंदी महोत्सव (उत्सव) समिति के संस्थापक सदस्य सामाजिक कार्यकर्ता पुरुषोत्तम पारीक ने लोगों से संपर्क किया

द अनकवर्ड अपडेट

प्रेस विज्ञप्ति 26 नवंबर 2026। बूंदी महोत्सव (उत्सव) समिति के संस्थापक सदस्य सामाजिक कार्यकर्ता पुरुषोत्तम पारीक ने विभिन्न कॉलोनीयो, गलियों, मोहल्ले एवं बाजार में भ्रमण कर आम - खास लोगों से बूंदी महोत्सव को लेकर संपर्क किया और उन्हें शोभा यात्रा सहित सभी कार्यक्रमों में भागीदारी देने हेतु आव्हान किया। पारीक ने उनसे अपील करते हुए कहा की बूंदी महोत्सव के माध्यम से बूंदी को पर्यटन विश्व मानचित्र में अंकित करवाने में हम सफल हो सकते हैं बूंदी में पर्यटन उद्योग ही ऐसा माध्यम है जिससे यहां के युवाओं को एवं आम लोगों को रोजगार के साधन सुलभ हो सकते हैं और इसके लिए हम सबको राजनीति से परे हटकर सारे मतभेद बुलाकर प्रयास करने चाहिए बूंदी को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की दिशा में भी सार्थक प्रयत्न करना चाहिए।

जयपुर की 22 पंचायत समितियों में प्रधान का चुनाव आज

अमरसर, रामपुरा-डाबड़ी समेत 5 पंचायत समितियों में किसी पार्टी को बहुमत नहीं

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। पंचायत चुनाव के तहत शुक्रवार को पंचायत समितियों में प्रधान के चुनाव करवाए जाएंगे। जयपुर की 22 पंचायत समितियों में प्रधान पद पर निर्वाचन प्रक्रिया सुबह 10 बजे नामांकन पत्र भरने के साथ शुरू होगी। वहीं जयपुर की 22 से में 5 पंचायत समितियों में चुनाव दिलचस्प होगा। इन पंचायत समितियों में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं है।

संविधान दिवस- 2026: कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय में संविधान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मुख्य सचिव ने करवाया संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन,

प्रश्नोत्तरी के विजेताओं को किया सम्मानित

महिलाओं की प्रगति को बताया समाज की उन्नति का पैमाना



जयपुर(नि.सं.)। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने युवाओं से संवैधानिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के साथ कर्तव्यों का पालन करना भी आवश्यक है। वे गुरूवार को शांति एवं अहिंसा विभाग, राजस्थान सरकार तथा कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संविधान जागरूकता कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। संविधान अंगीकार किए जाने की 77वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने छात्राओं एवं उपस्थित अतिथियों के साथ संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। मुख्य सचिव ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचार का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं की प्रगति समाज की उन्नति का पैमाना है। संविधान प्रदत्त अधिकारों ने महिलाओं के लिए शिक्षा, नेतृत्व और आत्मनिर्भरता के नए अवसर उपलब्ध कराए



हैं। उन्होंने कहा कि छात्राएँ भविष्य की प्रशासक, विधिवेत्ता, वैज्ञानिक और उद्यमी बनकर प्रगतिशील भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। श्री श्रीनिवास ने कहा कि मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य और राज्य के नीति निर्देशक तत्व न्यायपूर्ण समाज एवं उत्तरदायी प्रशासन का आधार हैं। नैतिकता, जवाबदेही, सामाजिक सद्भाव और बंधुत्व को व्यवहार में अपनाना आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को संविधान एवं उसकी प्रस्तावना का नियमित अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी राज्य का उद्देश्य विकास का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचाना है।

कभी हार नही देखी ऐसे धनी व्यक्ति है राजाराम भूतौली

- सामाजिक एवं राजनीति से बनाई प्रदेशभर में पहचान



द अनकवर्ड अपडेट

हलैना, (विष्णु मित्तल)। थाना हलैना क्षेत्र के गांव भूतौली की धरा में किसान परिवार में जन्म लेने वाले राजराम भूतौली अपना राजनीति और सामाजिक जीवन का 46 साल का सफर तय कर चुक,जो एडवोकेट और बाल कल्याण समिति भरतपुर के अध्यक्ष है,जिन्होने कभी हार का मुख नही देखा,जिसका मुख्य कारण प्रतिदिन जनता की सुनवाई करना और उनकी समस्या का समाधान कर मदद करना। राजनैतिक एवं गैर राजनैतिक पदो पर रह कर प्रदेशभर में पहचान कायम किए हुए है। स्कूल की राजनीति से राजनैतिक जीवन में प्रवेश किया और पहली बार में ही राजाराम भूतौली ने वर्ष 1980 में गांव के राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल बाल संसद के प्रधानमंत्री चुने गए और उसके बाद 1991 में एमएसजे कॉलेज छात्र संघ अध्यक्ष भगत सिंह विरहरू की कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष और उसके बाद 1992 छात्र संघ अध्यक्ष,1995 में पंचायत समिति सदस्य,2005 में इनकी पत्नी सुशीला सिंह जिला परिषद सदस्य,2010 ग्राम पंचायत भूतौली की पत्नी सुशीला सिंह सरपचं,2019 में बाल कल्याण समिति के सदस्य एवं 2023 में बाल कल्याण समिति अध्यक्ष मनोनित हुए साथ ही भरतपुर-धौलपुर दुग्ध सहकारी डेयरी की पत्नी सुशीला सिंह चेयरमेन चुनी गई और 2026 में ग्राम पंचायत भूतौली के सरपचं निर्वाचित हुए।

न्यूज ब्रीफ

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के दो वर्ष पूर्ण होने पर जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आज

जयपुर(नि.सं.)। बाल विवाह मुक्त भारत (बीवीएमबी) अभियान के राष्ट्रव्यापी प्रयासों के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दिनांक 27 नवंबर 2026 को दोपहर 1 बजे, भगवत सिंह मेहता सभागार, एचसीएम रीपा (HCM RIPA) परिसर, जयपुर में एक भव्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि यह तिथि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा नामित बाल विवाह और जबरन विवाह उन्मूलन के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में भी मनाई जाती है। यह कार्यक्रम निदेशालय बाल अधिकारिता विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भगवत सिंह मेहता सभागार, एचसीएम रीपा (HCM RIPA) परिसर, जयपुर में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न होगा।

जयपुर में पानी के मीटर चोरी करने वाला गिरोह सक्रिय

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर में पानी की मोटर और मीटर चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। बजाज नगर इलाके में दर्जनों वारदातों के बाद अब चोरों ने नारायण विहार थाना इलाके में चोरी की है। यहां नारायण विहार थाने से महज 800 मीटर की दूरी पर मानसरोवर स्थित चावल वाला मार्ट स्थित दो घरों से अज्ञात चोर पानी के मीटर चोरी कर ले गए। घटना बुधवार अससुबह की है। चोरी की पूरी वारदात घरों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। फुटेज में हुडी पहनकर आया एक युवक दिखाई दे रहा है, जो मौका पाकर पानी के मीटर चोरी करता नजर आ रहा है। वारदात के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र के लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि चोर अब घरों के बाहर लगे पानी के मीटरों को भी निशाना बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने डॉ. जितेंद्र सिंह से शिष्टाचार भेंट की

मुख्यमंत्री निवास पर माननीय केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह जी ने शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर राजस्थान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में संभावनाओं तथा इनके विस्तार से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई।



मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास के मुख्य आतिथ्य में शासन सचिवालय में मनाया गया संविधान दिवस

मुख्य सचिव ने संविधान की प्रस्तावना का किया वाचन, संविधान के मूल्यों एवं आदर्शों को आत्मसात करने का दिया संदेश



जयपुर(नि.सं.)। संविधान दिवस के अवसर पर गुरूवार को शासन सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान संविधान दिवस के महत्व एवं भारतीय संविधान की गौरवशाली यात्रा पर आधारित संक्षिप्त वीडियो डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई। इसके पश्चात मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने भी संविधान की प्रस्तावना का वाचन करते हुए



संविधान में निहित लोकतांत्रिक मूल्यों, आदर्शों एवं मूल कर्तव्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम में भारतीय संविधान की गरिमा, उसके मूल सिद्धांतों तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में प्रत्येक नागरिक एवं लोकसेवक की भूमिका के महत्व को रेखांकित किया गया। सचिवालय के रजिस्ट्रार श्री मुकेश सिंघल ने कार्यक्रम का संचालन किया।

जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा 6वीं की प्रवेश परीक्षा 28 नवम्बर को कुल 2,201 परीक्षार्थी होंगे शामिल



बयाना में सर्वाधिक तो पहाड़ी में सबसे कम परीक्षार्थी

द अनकवर्ड अपडेट

हलैना (विष्णु मित्तल)। जिला भरतपुर के ग्राम छोंकरवाड़ा कलां स्थित आवासीय पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में सत्र 2027-028 कक्षा 6वीं की प्रवेश परीक्षा 28 नवम्बर को सुबह11:00 बजे से 1:30 बजे तक होगी ।

विद्यालय के प्राचार्य ए. बी सक्सेना एवं परीक्षा प्रभारी रूपेश कुमार ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रवेश परीक्षा में भरतपुर एवं डीग जिले के राजकीय एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों की कक्षा 5वीं में अध्ययनरत कुल 2,201 छात्र-छात्राओं ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया है।सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरु होने से आधा घंटा पूर्व (सुबह 10:30 बजे तक) अपने-अपने परीक्षा केन्द्रों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु भरतपुर एवं डीग जिलों में कुल 13 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं, जिनमें भरतपुर जिले में 8 तथा डीग जिले में 5 केन्द्र शामिल हैं।

ब्लॉकवार परीक्षार्थियों की संख्या

इस परीक्षा में बयाना ब्लॉक से सर्वाधिक 303 तथा पहाड़ी ब्लॉक से सबसे कम 70 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। अन्य ब्लॉकों में भुसावर से 269, उच्चैन से 228, कुम्हेर से 203, डीग से 188, रूपवास से 166, नदबई से 165, सीकरी से 163, वैर से 134, भरतपुर शहर से 132, कामां से 106 तथा नगर से 84 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

निर्धारित परीक्षा केन्द्रों की सूची

महाराजा बदन सिंह राउमावि, भरतपुर, मास्टर आदित्येन्द्र राउमावि भरतपुर,राउमावि, बयाना, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, नदबई , स्वतन्त्रता सेनानी रामचरन लाल गोयल राउमावि, रूपवास,राउमावि वैर ,शहीद राम बाबू राउमावि, उच्चैन, श्री जगन्नाथ पहाड़िया राउमावि भुसावर,के. एल. जे. राउमावि डीग,राउमावि, कुम्हेर,राउमावि कामां,अनार देवी राउमावि नगर, केसरी सिंह राउमावि पहाड़ी परीक्षा केंद्र होंगे।

सिलाई का काम कर रहे 6 बच्चों को करवाया मुक्त गंदे और बदबूदार हॉल में मिले,ठेकेदार गिरफ्तार



जयपुर। जयपुर में सिलाई का काम कर रहे 6 बाल श्रमिकों को मुक्त करवाया गया। बच्चों से मुरलीपुरा इलाके की नीलगिरी कॉलोनी रोड नंबर 9 स्थित मोनिका गारमेंट्स में काम करवाया जा रहा था। मौके से सिलाई ठेकेदार को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई मुरलीपुरा थाना पुलिस और मानव तस्करी विरोधी यूनिट की टीम ने की।

बदबूदार हॉल में बच्चों से काम करवा रहा था ठेकेदार

डीसीपी वेस्ट प्रशांत किरण ने बताया कि बुधवार को मानव तस्करी विरोधी यूनिट जयपुर वेस्ट को सूचना मिली कि मुरलीपुरा इलाके में एक मकान में बच्चों से बालश्रम करवाया जा रहा है।

सूचना पर मुरलीपुरा थाना पुलिस और मानव तस्करी विरोधी यूनिट की संयुक्त टीम ने नीलगिरी कॉलोनी स्थित मोनिका गारमेंट्स पर दबिश दी। मौके पर मकान के फर्स्ट फ्लोर पर बने हॉल में 6 नाबालिग बच्चे सिलाई मशीनों पर कपड़े सिलते मिले। सभी बच्चे मैले-कुचैले कपड़ों में थे। हॉल में कपड़े और अन्य सामान बिखरा हुआ था और बदबू व गंदगी का माहौल था। सुबह 8 से रात 9 बजे तक करवाता था काम पूछताछ में बच्चों ने बताया कि मोहम्मद जाहिर उनसे सिलाई का काम करवाता था। सिलाई के दौरान गलती होने पर उन्हें डांटता था और पूरे दिन काम करवाता था। जांच में सामने आया कि बच्चों से सुबह 8 बजे से रात 9 बजे तक काम कराया

प्रवासी राजस्थानी दिवस 2026 — राजस्थान के औद्योगिक विकास में भागीदार बनेंगे प्रवासी राजस्थानी

प्रवासी राजस्थानी दिवस 2026 में राजस्थान के औद्योगिक विकास और निवेश के अवसरों को किया जाएगा प्रस्तुत

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान सरकार राज्य में निवेश बढ़ाने के साथ-साथ प्रवासी राजस्थानियों के अनुभव, विशेषज्ञता और ग्लोबल नेटवर्क का भी लाभ उठाना चाहती है ताकि प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति मिल सके। इसी दिशा में प्रवासी राजस्थानी दिवस 2026 के तहत आयोजित होने वाले छह प्रमुख सेक्टोरल सेशन्स में से एक इंडस्ट्रीज सेक्टोरल सेशन में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर विशेष फोकस रहेगा। यह सत्र 10 दिसंबर को जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में आयोजित होगा। इसमें प्रवासी राजस्थानी, निवेशक और उद्योग जगत से जुड़े लोग जुटेंगे। सत्र में विभिन्न क्षेत्रों में उभरते अवसरों, राज्य की औद्योगिक नीतियों और निवेश प्रोत्साहन योजनाओं पर चर्चा होगी। साथ ही, राजस्थान के औद्योगिक विकास को आगे बढ़ाने की दिशा में भी विचार-विमर्श किया जाएगा। यह सेशन दो-तरफा संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच होगा। इसके माध्यम से राज्य सरकार जहां अपने ग्लोबल प्रवासी समुदाय से जुड़ सकेगी, वहीं प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश में उभर रहे निवेश के अवसरों, अलग-अलग सेक्टर्स की नीतियों, प्रोत्साहनों और विकसित हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर की जानकारी भी मिलेगी। इस सत्र में होने वाली चर्चा से नए निवेश को प्रोत्साहन मिलने के साथ रणनीतिक साझेदारी, तकनीकी सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान के नए रास्ते खुलने की उम्मीद है। साथ ही, ऐसे अवसरों की पहचान पर भी जोर रहेगा, जिनसे नए प्रोजेक्ट्स शुरू हो सकें, मौजूदा कारोबार का विस्तार हो और बेहतर रोजगार के अवसर पैदा हों। इससे राजस्थान को निवेश के पसंदीदा डेस्टिनेशन के रूप में और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

भारत में पाकिस्तानी वेब सीरीज पर बैन, नेटफ्लिक्स को केंद्र की सख्त चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स को पाकिस्तान में निर्मित किसी भी सामग्री की भारत में स्ट्रीमिंग न करने का सख्त निर्देश दिया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय का यह कदम पाकिस्तान स्थित वेब सीरीज जो बचे हैं संग समेट लो की भारत में संभावित रिलीज को लेकर उठे विवाद के बाद आया है। केंद्रीय मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स से कहा है कि वह अपने पहले जारी किए गए आदेशों और स्वयं के वादों का सम्मान करे, जिसके तहत भारत में पाकिस्तानी कंटेंट की उपलब्धता प्रतिबंधित है। केंद्रीय मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स को पिछले साल जून में किए गए उसके अपने वादे की याद दिलाई है। उस समय स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने मंत्रालय को यह सुनिश्चित किया था कि भारत में उसके सब्सक्राइबर्स के लिए पाकिस्तान से जुड़ी कोई भी फिल्म या वेब सीरीज उपलब्ध नहीं होगी। नेटफ्लिक्स ने तब स्पष्ट रूप से बताया था कि उसकी लाइब्रेरी में भारत के लिए कोई भी पाकिस्तानी कंटेंट मौजूद नहीं है, और मंत्रालय ने अब उसी रुख पर कायम रहने को कहा है।
यह ताजा निर्देश कई शिकायतों और ज्ञापनों के बाद आया है, जिसमें जो बचे हैं संग समेट लो नामक पाकिस्तानी वेब सीरीज की भारत में संभावित रिलीज को लेकर कड़ी आपत्ति जाहिर की गई थी। मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स से कहा है कि वह पहले स्पष्ट किए गए अपने रुख पर कायम रहे और यह सुनिश्चित करे कि पाकिस्तान में बनी कोई भी सामग्री भारतीय दर्शकों के लिए स्ट्रीम न हो सके।

बिहार में स्वास्थ्य विभाग का कड़ा एक्शन : 11 डॉक्टर बर्खास्त

पटना, एजेंसी। बिहार के स्वास्थ्य विभाग ने लंबे समय से ड्यूटी से नदारद 11 डॉक्टरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर उन्हें सरकारी सेवा से बर्खास्त किया है। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने फैसले की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही और अनुशासनहीनता बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री कुमार ने कहा कि डॉक्टर का पेशा सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि मानव सेवा का एक पवित्र संकल्प है। इसतरह के लंबे समय तक अपने कर्तव्यों से विमुख रहना एक गंभीर मामला है। उन्होंने प्रदेश के सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों से पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभाने की अपील की। इस कार्रवाई के जरिए बिहार सरकार ने यह साफ संदेश दिया है कि आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बिहार सरकार का मानना है कि इसके लिए स्वास्थ्य विभाग में जवाबदेही और अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। इस कदम से स्पष्ट है कि सरकारी अस्पतालों में ड्यूटी के प्रति लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ भविष्य में भी सख्त से सख्त कदम उठाए जाएंगे।

तिरुपति बालाजी को अज्ञात भक्त ने दिया 121 किलो सोने का महादान

तिरुपति, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित भगवान वेंकटेश्वर मंदिर फिर चर्चा का विषय बन गया है। एक अज्ञात भक्त ने मंदिर को 121 किलोग्राम सोने के आभूषण दान किए हैं, जिसकी अनुमानित कीमत 160 करोड़ रुपये है। यह मंदिर के इतिहास में किसी एक श्रद्धालु द्वारा दिया गया अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत दान माना जा रहा है, जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ट्रस्ट द्वारा इन अद्भुत आभूषणों को रंगनायकुल मंडपम में प्रदर्शित किया गया। जानकारी के अनुसार, इन आभूषणों को मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की मौजूदगी में टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) को सौंपा गया। इन 121 किलोग्राम सोने में कुल 45 आभूषण शामिल हैं, जिन्हें नौ अलग-अलग सेटों में व्यवस्थित किया गया है। ये आभूषण विशेष रूप से भगवान श्री वेंकटेश्वर को सिर से पैर तक सजाने के लिए तैयार किए गए हैं। आंध सरकार और टीटीडी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि दानकर्ता ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के साथ सभी आवश्यक विचार-विमर्श पूरे कर लिए थे और मंदिर परिसर में ही प्रशासन को यह बहुमूल्य चढ़ावा सौंपा गया। इस असाधारण दान ने देशभर में भक्ति और उदारता की नई मिसाल कायम की है।

मोगा रैली: केजरीवाल ने मान के नाम पर मांगे वोट, कांग्रेस-बीजेपी पर साधा निशाना

मोगा, एजेंसी। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले, आम आदमी पार्टी (आप) ने मोगा में अपने स्थापना दिवस पर खुशहाल पंजाब-महारैली का आयोजन किया। इस दौरान आप संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के नाम पर वोट मांगे और कांग्रेस व भाजपा दोनों पर तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री मान ने अकाली दल और भाजपा के गठबंधन को कृषि सुधार कानूनों को वापस लाने की शर्त पर हुआ बताया।
केजरीवाल ने पंजाब के मतदाताओं को आगाह किया कि यदि कांग्रेस सत्ता में आती है, तब मुफ्त बिजली और महिलाओं को मिलने वाले एक हजार रुपये प्रति माह जैसी योजनाएं बंद हो जाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इन्हें फ्री की रेवड़ी कहने का जिक्र कर कहा कि दिल्ली में भी केंद्र ने उनकी सरकारी स्कीमें बंद की थीं। उन्होंने लोगों से मान को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने की अपील की ताकि ये योजनाएं जारी रह सकें। एक हजार रुपये की योजना में देरी पर उन्होंने पिछली सरकारों पर खजाना खाली करने का आरोप लगाया। रैली के दौरान, केजरीवाल ने सीएम मान के साथ मिलकर नए लाभार्थियों को राशन कार्ड भी वितरित किए, जिसके तहत दस लाख नए लोगों को कार्ड दिए जा रहे हैं।
सीएम मान ने अपने संबोधन में कांग्रेस की आंतरिक कलह पर निशाना साधकर कहा कि वहां 6-7 मुख्यमंत्री उम्मीदवार हैं और उनमें रोज लड़ाई होती है। उन्होंने परगट सिंह के गोल करने के उदाहरण से कांग्रेस की आपसी खींचतान को उजागर किया। केजरीवाल ने अपनी सरकार की



उपलब्धियां गिनाकर दावा किया कि उन्होंने 77 हजार युवाओं को नौकरियां दी हैं और एक भी व्यक्ति यह नहीं कह सकता कि उसने नौकरी के लिए पैसे दिए हैं। उन्होंने पिछली सरकारों में रिश्वतखोरी के तौर-तरीकों, जैसे अटैची तौलकर पैसे लेने का जिक्र किया।

आप के स्थापना दिवस पर केजरीवाल का संकल्प: न पार्टी डरेगी और न ही तय लक्ष्यों से पीछे हटेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को पार्टी के स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों को बधाई देकर देश के लिए बड़े संकल्प का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी न डरेगी और न ही अपने लक्ष्यों से पीछे हटेगी, क्योंकि देश के लिए अभी बहुत काम करना बाकी है। केजरीवाल ने सोशल मीडिया पोस्ट में पार्टी के अब तक के सफर पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे 2012 में पार्टी की स्थापना के समय कई सवाल उठे थे, कि क्या यह कुछ कर पाएगी, कितने दिन टिकेगी, और इन लोगों को राजनीति की क्या समझ है। हालांकि, केजरीवाल ने गर्व से कहा कि पार्टी न केवल टिकी रही, बल्कि उसने पूरे देश के लोगों का भरोसा और समर्थन भी जीता। उन्होंने पार्टी की सफलताओं का जिक्र कर कहा कि आप ने दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में अपनी सरकारें बनाई हैं। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर, गोवा और गुजरात सहित अन्य कई राज्यों में भी पार्टी को लोगों का विश्वास और प्यार मिला है। केजरीवाल ने जोर दिया कि आप ने काम की राजनीति पर ध्यान केंद्रित किया, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत मुद्दों पर बात की, और यह राजनीति से प्रभावित नहीं हुई बल्कि उसने खुद राजनीति को बदल दिया। अपने संदेश में, उन्होंने भविष्य की योजनाओं और पार्टी के अटल निश्चय को दोहराया। केजरीवाल ने लिखा, अभी बहुत कुछ करना है। देश के लिए बहुत काम करना है। उन्होंने आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ भी दीं। गौरतलब है कि आप की स्थापना 26 नवंबर, 2012 को अरविंद केजरीवाल द्वारा की गई थी। यह पार्टी 2011 में यूपीए सरकार के दौरान सामने आए भ्रष्टाचार के मामलों के खिलाफ हुए इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन से निकली थी। केजरीवाल ने पार्टी शुरू करने के लिए 26 नवंबर की तारीख इसलिए चुनी, क्योंकि इसी दिन 1949 में भारत के संविधान को अपनाया गया था।

माकपा नेता के भड़काऊ भाषण की होगी पुलिस जांच: गृह मंत्री

पय्यान्नूर, एजेंसी। केरलम के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने घोषणा की कि पुलिस मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता और पूर्व विधायक टी.आई. मधुसूदनन के भाषण की गहन जांच करेगी। मधुसूदनन ने सोशल मीडिया पर पार्टी की आलोचना करने वालों को खुलेआम चेतावनी दी थी कि पार्टी उनसे हिसाब चुकता करेगी और इसके गंभीर परिणाम भुगतना होगा। गृह मंत्री चेन्निथला ने कहा कि गृह विभाग इन टिप्पणियों को अत्यंत गंभीरता से ले रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्वाचित जनप्रतिनिधि रह चुके व्यक्ति के लिए इस तरह के धमकी भरे भाषण देना अनुचित है। उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य सरकार ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगी और न ही पुलिस ऐसा होने देगी। पुलिस जांच के लिए भाषण का पूरा पाठ जुटा रही है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के.मुरलीधरन ने भी मधुसूदनन के बयानों पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केरलम की मौजूदा सरकार हिंसा की धमकी देने वाले भाषणों पर चुप नहीं बैठेगी और ऐसी हरकतों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुरलीधरन ने चेतावनी दी कि जेन जी के दौर में इस तरह के भाषणों से कोई फायदा नहीं होगा, बल्कि यह वामपंथी पार्टी के पतन का कारण बन सकते है। स्वास्थ्य मंत्री मुरलीधरन ने माकपा नेताओं द्वारा हाल ही में आए सी.वी.धनराज हत्याकांड के फैसले पर सवाल उठाने और न्यायाधीशों पर टिप्पणी करने को अस्वीकार्य बताया। उन्होंने अदालतों के सम्मान पर जोर देकर अरियिल शुकूर हत्याकांड का उदाहरण दिया, जहां कांग्रेस और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) भी फैसले से असंतुष्ट थे, लेकिन उन्होंने न्यायाधीशों के खिलाफ कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की। उन्होंने स्वीकार किया कि दोनों ही मामलों में अभियोजन पक्ष की ओर से चूक हुई है। मधुसूदनन ने पय्यान्नूर में एक डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) कार्यक्रम में ये धमकी भरे बयान दिए थे, जो धनराज हत्याकांड के फैसले के बाद आयोजित किया गया था। आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर पार्टी की आलोचना करने वालों को चेताया था कि पार्टी उनसे हिसाब चुकता करेगी और पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि पार्टी का अपमान करने वालों को शायद पहले ही उनके किए की सजा मिल चुकी है और जो लोग लड़ाई को सड़कों पर ले जाएंगे, उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतना होगा। गृहमंत्री चेन्निथला ने कहा कि नेताओं और पूर्व विधायकों को अशांति भड़काने के बजाय शांति बनाए रखने तथा हत्याओं और हिंसा को रोकने के लिए काम करना चाहिए।

मंच से खरगे की इमरान मसूद को नसीहत... बातों से ज्यादा काम पर ध्यान केंद्रित करें

यूपी में गठबंधन की सरकार लानी है और मोदी-योगी को हराना

लखनऊ, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लखनऊ में पार्टी नेताओं को गठबंधन के खिलाफ बयानबाजी से बचने की नसीहत दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गठबंधन की सरकार लानी है और मोदी-योगी को हराना है, क्योंकि अंदरूनी झगड़े जीत को मुश्किल बनाते हैं।
कांग्रेस नेता खड़गे ने इस दौरान पार्टी नेता और सांसद इमरान मसूद के जोश की सराहना की, लेकिन साथ ही उन्हें गठबंधन धर्म निभाने और केवल बातों से ज्यादा काम पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर काम करना होगा तभी पार्टी आगे बढ़ेगी। लोकसभा चुनाव का जिक्र कर कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने दावा किया कि अजय राय ने प्रधानमंत्री मोदी से टक्कर ली थी और वह थोड़े से चूक गए,



नहीं तब मौजूदा प्रधानमंत्री गुजरात जाकर बैठते।
कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगेसंविधान बचाओ मार्च में शामिल होने लखनऊ पहुंचे थे, हालांकि लखनऊ प्रशासन ने मार्च की अनुमति नहीं दी थी। खड़गे के जाने के बाद कार्यकर्ताओं ने मार्च निकाला, लेकिन पार्टी कार्यालय से करीब 150 मीटर आगे बढ़ने पर पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पुलिस ने पहले से ही थ्री-लेयर बैरिकेडिंग लगा रखी थी। लगभग 40 मिनट तक कांग्रेसियों ने आगे बढ़ने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए। इसके बाद पुलिस ने मार्च में शामिल प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद सहित कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। उन्हें इको गार्डन ले जाकर बाद में छोड़ दिया गया।
इस घटना पर प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस नेता अजय राय ने योगी सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस के दिन सरकार संविधान को कुचलने का काम कर रही है, जो दर्शाता है कि ये लोग संविधान को मानने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता संविधान बचाने के लिए सड़क पर उतरा है। कांग्रेस नेता राय ने ओवैसी और चंद्रशेखर की रैलियों को भारतीय जनता पार्टी प्रायोजित बताया।

सौरव दास की विदेश यात्रा पर रोक: दिल्ली हाईकोर्ट में बोला केंद्र, उनके खिलाफ एलओसी जारी

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट में गुरुवार 26 नवंबर को सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास की याचिका पर सुनवाई हुई, जिन्हें ब्रिटेन जाने से रोक दिया गया था। केंद्र ने दिल्ली की अदालत को बताया कि मुंबई पुलिस ने 23 नवंबर को उनके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया था, इस कारण उन्हें विदेश जाने से रोका गया। सौरव दास को 24 नवंबर को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ब्रिटेन जाना था, जहां उन्हें कॉकरोच मूवमेंट विषय पर बोलना था। अपनी याचिका में दास ने आरोप लगाया है कि 23 नवंबर की रात लंदन जाने वाली फ्लाइट में सवार होने से ठीक पहले उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन काउंटर पर रोक दिया गया था। इस रोक को उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला, अब पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर चेतावनी लेबल लगाना जरूरी

बेंच ने कहा- नमक, कुल शुगर और सैचुरेटेड फैट की सीमा नए सिरे से तय की जाए

नई दिल्ली, एजेंसी। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में नमक, चीनी और सैचुरेटेड फैट की ज्यादा मात्रा को लेकर अब ग्राहकों को पैकेट पर ही चेतावनी दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से चेतावनी लेबल के नियम तैयार करने को कहा है। कोर्ट ने साफ किया है कि खाद्य पदार्थों में मौजूद कुल शुगर और सैचुरेटेड फैट को चेतावनी के लिए आधार बनाया जाए, न कि सिर्फ अलग से मिलाई गई चीनी और फैट को। जस्टिस जेबी पारडीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि नमक, कुल शुगर और सैचुरेटेड फैट की अधिकतम सीमा नए सिरे से तय की जाए। चेतावनी के लिए तय सीमा न तो इतनी कम हो कि हर खाद्य पदार्थ के पैकेट पर चेतावनी छपने लगे और न ही इतनी ज्यादा कि स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह मात्रा भी इसके दायरे से बाहर रह जाए।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने निर्देश दिया कि पैकेट के मुख्य हिस्से पर तीन अलग-अलग षट्कोण (हेक्सागोन) बनाए जाएं। इनमें क्रमशः हाई फैट, हाई शुगर और हाई साल्ट लिखा हो। हर हेक्सागोन पैकेट के मुख्य डिस्प्ले क्षेत्र का कम से कम 4 से 5 फीसदी हिस्सा घेरे। इसके भीतर लिखे शब्दों का फॉन्ट इतना बड़ा और स्पष्ट हो कि ग्राहक आसानी से पढ़ सकें। बेंच ने बच्चों और आम लोगों को पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में मौजूद पोषक तत्वों और उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के प्रति जागरूक करने की जरूरत पर भी जोर दिया।
सुप्रीम कोर्ट ने एफएसएसएआई को इन निर्देशों के आधार पर ड्राफ्ट नियम तैयार करने और संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित करने को कहा है, साथ ही नियमों को जल्द से जल्द अंतिम रूप देकर अधिसूचित करने का भी निर्देश दिया। मामले में 10 सप्ताह बाद अगली सुनवाई होगी। उस



दिन कोर्ट इस बात की जानकारी लेगा कि ड्राफ्ट नियम तैयार हो गए हैं या नहीं।
बता दें यह मामला फ्रंट ऑफ पैकेट वार्निंग लेबल लागू करने से जुड़ा है। एक संस्था ने याचिका दाखिल कर पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में नमक, चीनी और फैट की अधिक मात्रा के बारे में ग्राहकों को स्पष्ट चेतावनी देने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस व्यवस्था को लागू करने में ढिलाई पर पहले भी एफएसएसएआई को कड़ी फटकार लगाई थी।

संविधान पर प्रहार, भारत अब देगा मुंहतोड़ जवाब : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों को संविधान पर प्रहार बताकर कहा कि भारत अब अपने सैनिकों या नागरिकों पर हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा, बल्कि जिम्मेदार लोगों को मुंहतोड़ जवाब देगा। गेटवे ऑफ इंडिया पर आयोजित कार्यक्रम में 2008 के हमलों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देकर सीएम फडणवीस ने कहा कि आतंकवादियों ने जानबूझकर इसरतह के स्थानों को निशाना बनाया था जहां विदेशी नागरिक और राजनयिक समुदाय के सदस्य अक्सर आते-जाते थे, उनका मकसद अधिक से अधिक लोगों को मारना और दुनिया को यह संदेश देना था कि भारत पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह हमला केवल मुंबई पर ही नहीं, बल्कि भारत के संविधान पर भी था।
मुख्यमंत्री ने आतंकवादियों से मुकाबला करने वाले पुलिसकर्मियों की बहादुरी को यादकर विशेष रूप से तुकाराम ओंबले को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने कई गोलियां लगने के बावजूद पाकिस्तानी आतंकवादी अजमल कसाब को



जीवित पकड़ा था। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों हेमंत करकरे, अशोक कामटे, विजय सालस्कर और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के मेजर संदीप उन्नीकृष्णन सहित जान गंवाने वाले सभी शहीदों को नमन किया। सीएम फडणवीस ने बताया कि 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से समुद्र के रास्ते आए लश्कर-ए-तैयबा के 10 भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के इन हमलों में विदेशियों सहित 166 लोगों की मौत हुई थी। कसाब की गिरफ्तारी से अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने हमलों में पाकिस्तान की संलिप्तता उजागर हुई और यह साबित हुआ कि यह हमला पाकिस्तान प्रायोजित था।
सीएम फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नये भारत ने आतंकवादी हमलों का जवाब देने का साहस दिखाया है। उन्होंने 2016 के उरी और पहलगाम हमलों के जवाब में भारत की कार्रवाई का जिक्र कर कहा कि भारत अपने सैनिकों या नागरिकों पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और पाकिस्तान में घुसकर इसतरह के हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को करारा जवाब देगा। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि बीते 12 वर्षों में मुंबई और देश में आतंकी घटनाओं को पूरी तरह से समाप्त किया गया है, साथ ही इसतरह के हमलों को अंजाम देने के प्रयासों को विफल किया गया है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मुंबई की अदम्य भावना को सलाम कर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहने के संकल्प को दोहराया और पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

शरद पवार फिर अस्पताल में भर्ती, बाबा को डिहाइड्रेशन हुआ

- बेटी सुप्रिया सुले ने दी जानकारी

मुंबई, एजेंसी। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार की तबीयत गुरुवार को फिर बिगड़ गई है, जिसके चलते उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती किया गया है। इसकी जानकारी उनकी बेटी और पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने दी। 85 वर्षीय पवार की तबीयत खराब होने की खबर मिलते ही सुप्रिया अपनी अहम बैठक छोड़कर अस्पताल के लिए रवाना हो गईं। सुप्रिया सुले ने बताया कि बाबा को डिहाइड्रेशन हुआ है। उन्होंने लिखा कि पवार को अब आराम करने और कम यात्रा करने की जरुरत है, लेकिन वे अपने काम से प्यार करते हैं और सुनते नहीं हैं। सुप्रिया ने अपने शुभचिंतकों का आभार जाहिर किया। सुप्रिया ने गुरुवार को ही एनसीपी (एसपी) नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई थी, जिसमें पार्टी में चल रहे विवाद पर खास चर्चा होनी थी।



सम्पादकीय

वंतारा से गौ सेवा तक अनंत अंबानी की मानवीय सेवा यात्रा

आज जब दुनिया व्यापार को प्रायः लाभ, प्रतिस्पर्धा, विस्तार और बाजार की भाषा में परिभाषित करती है, तब अनंत अंबानी का व्यक्तित्व इस स्थापित धारणा के सामने एक अलग प्रश्न खड़ा करता है-क्या बड़ी आर्थिक सफलता के साथ बड़ी मानवीय संवेदना भी संभव है? क्या अरबों-खरबों की व्यावसायिक दुनिया में करुणा, जीवदया, सेवा और पर्यावरण-संरक्षण केवल सामाजिक उत्तरदायित्व के औपचारिक शब्द रहेंगे या वे जीवन-दर्शन का हिस्सा बन सकते हैं? अनंत अंबानी की गतिविधियाँ इस प्रश्न का एक सकारात्मक उत्तर देती दिखाई देती हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन से जुड़े अनंत अंबानी आज केवल व्यापारिक उत्तराधिकारी के रूप में नहीं, बल्कि पशु कल्याण, जीवदया और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। उनकी सबसे चर्चित पहल 'वंतारा'-स्टार ऑफ द फॉरेस्ट है, जो गुजरात के जामनगर में लगभग 3,500 एकड़ क्षेत्र में विकसित पशु बचाव, उपचार, पुनर्वास और संरक्षण का विशाल केंद्र है। हाल ही में केरल की 18 महीने की बीमार और घायल नन्हीं हथिनी 'माया' की जान बचाने के लिए उसे एयरलिफ्ट कराकर जामनगर स्थित अपने वन्यजीव पुनर्वास केंद्र वंतारा में भर्ती कराया है। रिलायंस फाउंडेशन के अनुसार वंतारा में 1.5 लाख से अधिक पशुओं और 2,000 से अधिक प्रजातियों की देखभाल की जा रही है तथा इसके लिए हजारों विशेषज्ञों, पशु चिकित्सकों और देखभालकर्ताओं की टीम कार्यरत है। लेकिन अनंत अंबानी की चर्चा केवल वंतारा तक सीमित नहीं है। हाल में उनके गौसेवा संबंधी वक्तव्य ने देश का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। एक वायरल वीडियो में उन्होंने लगभग नौ लाख गायों की देखभाल से जुड़े होने की बात कही, जिनमें करीब सात लाख गायें ऐसी बताई गईं जो दूध नहीं देतीं या आर्थिक दृष्टि से उपयोगी नहीं हैं। उन्होंने घायल एवं संकटग्रस्त गायों के बचाव के लिए लगभग 100 एम्बुलेंस और आठ राज्यों में सक्रिय बचाव-व्यवस्था का भी उल्लेख किया। यहीं अनंत की सोच का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। जो पशु दूध नहीं देता, जिसकी आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो गई है, क्या उसका जीवन भी कम मूल्यवान हो जाता है? बाजार की सामान्य मानसिकता शायद इस प्रश्न का उत्तर उपयोगिता से देगी, लेकिन जीवदया की भारतीय परंपरा इसका उत्तर अस्तित्व के सम्मान से देती है।अनंत अंबानी की गौसेवा की चर्चा इसी बिंदु पर एक व्यापक सामाजिक विमर्श को जन्म देती है-किसी जीव का मूल्य उसकी उत्पादकता से नहीं, उसके जीवन से तय होना चाहिए। यह विचार आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। व्यापार की सफलता का अर्थ केवल अधिक उत्पादन और अधिक लाभ नहीं होना चाहिए, उसके साथ यह प्रश्न भी जुड़ना चाहिए कि उस सफलता से समाज, प्रकृति और जीव-जगत को क्या मिला। यदि पूंजी संवेदना से जुड़ती है, तकनीक करुणा के साथ चलती है और उद्योग पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी बनता है, तो व्यापार केवल आर्थिक संस्था नहीं रहता, वह सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है। अनंत अंबानी की दिनचर्या से जुड़ी बातें भी इसी संवेदनशीलता की ओर संकेत करती हैं। उन्होंने बताया है कि घर से निकलने से पहले वे गायों की मालिश करते हैं और उनके घर में छह गायें हैं।

क्या खास है सोनिया की किताब में?

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की शीर्ष नेता श्रीमती सोनिया गांधी की लिखी किताब चर्चा में है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की किताब का नाम 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' है। यह किताब 10 नवंबर 2026 को रिलीज हुई है। यह किताब उनका निजी संस्मरण है, जिसमें उनके निजी जीवन, इटली से भारत आने, राजीव गांधी से शादी, परिवार और भारतीय राजनीति के विभिन्न दौरों का जिक्र है। यह किताब करीब 544 से 549 पन्नों की है। किताब के प्रकाशन के बाद इसमें दिए गए कुछ तथ्यों, तारीखों और राजनीतिक प्रसंगों को लेकर राजनीतिक गलियारों और मीडिया में काफी चर्चा और बहस देखने को मिली है। अपने समकालीन राजनीतिक धुरंधरों के बारें में भी उन्होंने कुछ खास लिखा है।

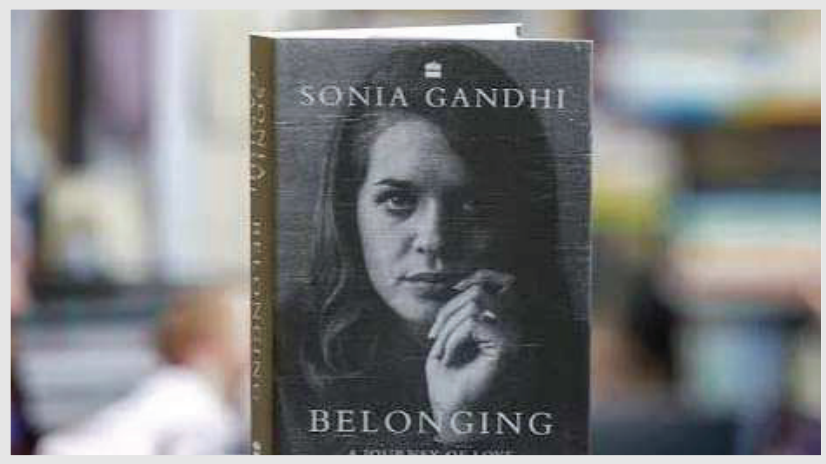

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की शीर्ष नेता श्रीमती सोनिया गांधी की लिखी किताब चर्चा में है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की किताब का नाम 'बिलॉन्गिंग ः ए जर्नी ऑफ लव' है। यह किताब 10 नवंबर 2026 को रिलीज हुई है। यह किताब उनका निजी संस्मरण है, जिसमें उनके निजी जीवन, इटली से भारत आने, राजीव गांधी से शादी, परिवार और भारतीय राजनीति के विभिन्न दौरों का जिक्र है। यह किताब करीब 544 से 549 पन्नों की है। किताब के प्रकाशन के बाद इसमें दिए गए कुछ तथ्यों, तारीखों और राजनीतिक प्रसंगों को लेकर राजनीतिक गलियारों और मीडिया में काफी चर्चा और बहस देखने को मिली है। अपने समकालीन राजनीतिक धुरंधरों के बारें में भी उन्होंने कुछ खास लिखा है। श्रीमती सोनिया गांधी ने अमित शाह पर किताब में एक छोटा सा चैप्टर लिखा है। वो लिखती हैं कि मोदी जी को वो विरोधी मानती हैं, लेकिन शाह को वो राजनीति का सबसे खतरनाक खिलाड़ी मानती हैं। सोनिया गांधी लिखती हैं कि अमित शाह की राजनीति को समझना बहुत मुश्किल है, क्योंकि वो कभी सामने नहीं आते, वो हमेशा पर्दे के पीछे से खेल खेलते हैं। सोनिया गांधी आगे लिखती हैं कि एक बार संसद में शाह उनसे मिले थे। शाह ने कहा था, सोनिया जी, आपने बहुत लंबी पारी खेली है। उन्होंने उस दिन शाह को जवाब दिया था, पारी अभी खत्म नहीं हुई है, शाह जी। उस दिन शाह हंस दिए थे और कहा थाज्यही तो मैं चाहता हूं, लड़ाई में मजा तभी आता है जब सामने वाला मजबूत हो। सोनिया गांधी ने किताब में एक और बड़ा खुलासा किया है। वो लिखती हैं कि जब कश्मीर से धारा 370 हटाई गई तो वो पूरी रात सो नहीं पाई थीं। उन्हें लगा था कि ये फैसला देश को तोड़ देगा। लेकिन अगले दिन जब शाह ने संसद में पूरी ताकत से उस फैसले का बचाव किया तो सोनिया गांधी लिखती हैं कि उन्हें लगा था कि ये आदमी डरता नहीं है। वो लिखती हैं कि मुझे शाह जी के फैसले से असहमति है, लेकिन उनकी हिम्मत से इनकार नहीं कर सकती। सोनिया गांधी लिखती हैं कि शाह की एक आदत उन्हें सबसे ज्यादा डराती है, वो है उनका हिसाब रखना। वो लिखती हैं कि शाह हर बूथ, हर गांव, हर कार्यकर्ता का नाम याद रखते हैं। सोनिया गांधी लिखती हैं कि कांग्रेस इसी वजह से हारी, क्योंकि कांग्रेस ने बूथ छोड़ दिया और शाह ने बूथ पकड़ लिया। आखिर में सोनिया गांधी ने लिखा है कि शाह से उन्हें नफरत नहीं है, उन्हें सबक मिला है। वो लिखती हैं कि अगर कांग्रेस को वापस आना है तो उसे शाह जैसी मेहनत करनी पड़ेगी, सिर्फ गांधी नाम से नहीं होगा। क्या यह सोनिया गांधी का अपने संगठन के लोगों के लिए स्पष्ट निर्देश नहीं है? सोनिया गांधी लिखती हैं, मोदी जी दिल जीतते हैं, शाह चुनाव जीतते हैं। मोदी जी पर सोनिया ने किताब में सबसे लंबा चैप्टर लिखा है। वो लिखती हैं कि मोदी से उनका रिश्ता कभी व्यक्तिगत दुश्मनी का नहीं रहा, लेकिन विचारों की लड़ाई हमेशा रही। जब मोदी जी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने सोनिया जी को एक चिट्ठी लिखी थी। उस चिट्ठी में मोदी जी ने लिखा था कि हम विचारों में अलग हो सकते हैं, लेकिन देश के लिए हमें साथ काम करना चाहिए। सोनिया लिखती हैं कि उन्होंने उस चिट्ठी का जवाब नहीं दिया, क्योंकि उन्हें लगा था कि ये सिर्फ एक औपचारिकता है। लेकिन बाद में जब मोदी संसद में उनसे मिले तोज्उन्होंने हंसकर कहा था, सोनिया जी, आप नाराज हैं क्या। सोनिया गांधी लिखती हैं कि उस दिन उन्होंने पहली बार मोदी जी में एक आम इनसान देखा था, जो राजनीति से अलग था। सोनिया आगे लिखती हैं कि मोदी जी की एक बात उन्हें हमेशा अच्छी लगी, वो है उनका काम करने का तरीका। वो लिखती हैं कि मोदी जी सुबह 4 बजे उठकर काम करते हैं, ये बात उन्होंने कई बार सुनी है। सोनिया गांधी लिखती हैं कि राजीव भी ऐसे ही थे, काम के लिए पागल। सोनिया गांधी ने किताब में लिखा है कि मोदी जी ने गरीबों के लिए कई योजनाएं चलाईं, जैसे उज्जवला, जनधन, स्वच्छ भारत। सोनिया गांधी लिखती हैं कि जब उन्हें पता चला कि गांव-गांव में शौचालय बने हैं, तो उन्हें अच्छा लगा था, क्योंकि ये काम राजीव भी करना चाहते थे। लेकिन सोनिया गांधी लिखती हैं कि उन्हें दुख इस बात का है कि सरकार ने कांग्रेस की योजनाओं का नाम बदलकर अपना नाम लगा दिया। उन्होंने लिखा है, योजना अच्छी है, लेकिन पुरानी योजना का नाम मिटाना ठीक नहीं है। सोनिया गांधी जी लिखती हैं कि अगर मोदी जी एक दिन सबको साथ लेकर चलने लगे, तो मैं उनकी सबसे बड़ी समर्थक बन जाऊंगी। सोनिया गांधी लिखती हैं कि मैं मोदी जी को अपना दुश्मन नहीं मानती, मैं उन्हें अपना राजनीतिक विरोधी मानती हूं। दुश्मन से नफरत की जाती है, विरोधी से बहस की जाती है, और मैं बहस के लिए हमेशा तैयार हूं। यह सोच सभी राजनेताओं में कम ही मिलती है। उनकी किताब की शुरुआत ऋग्वेद की इन पंक्तियों से होती है- 'साथ चलें, साथ बोलें, हमारे मन एकमत हों', इन पंक्तियों में एक गहरी विडंबना है।

चींटियों से सबक लेकर हम बेहतर समाज बनाएं

प्रकृति ने हमें ऐसे अनगिनत आश्चर्य दिए हैं, जो आधुनिक विज्ञान, कंप्यूटर इंजीनियरिंग और प्रबंधन गुरुओं को निरंतर शोध के लिए प्रेरित करते हैं। हम अपने घर के आंगन, बगीचे या किसी पुराने पेड़ के तने पर चींटियों को अनुशासित कतारों में चलते देखते हैं, तो हमारी नजर में यह केवल एक कीट का चलना होता है, मगर जब सूक्ष्म दृष्टि से इनके जीवन, संवाद शैली और कार्यप्रणाली का अध्ययन करते हैं, तब ज्ञात होता है कि ये तो सबसे उन्नत, विकेंद्रीकृत, कुशल और स्वशासित 'मैनेजमेंट सिस्टम' का संचालन कर रही हैं। बिना किसी केंद्रीय कमान, ट्रैफिक पुलिस और लिखित संविधान के चींटियों का यह साम्राज्य सदियों से श्रम प्रबंधन, रसद ढुलाई और परिवहन का ऐसा उदाहरण पेश करता रहा है, जिसके सामने आज की कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी अचंभित है। चींटियों के संपूर्ण संचार-तंत्र की रीढ़ है, उनके द्वारा छोड़ा जाने वाला एक रासायनिक संकेत, जो 'फेरोमोन' कहलाता है। ये रासायनिक संदेश आधुनिक कंप्यूटर नेटवर्किंग के डिजिटल पैकेट्स, इंटरनेट प्रोटोकॉल या वायरलेस सिग्नल्स की तरह काम करते हैं।जब कोई खोजी चींटी अपनी बांबी से भोजन की तलाश में किसी खाद्य स्रोत तक पहुंचती है, तो वापसी की यात्रा के दौरान वह फेरोमोन की एक सुगंधित सूक्ष्म रासायनिक धार छोड़ती जाती है। अन्य चींटियां इस रासायनिक कोड को स्पर्शेंद्रियों से पढ़कर पल भर में भांप लेती हैं कि भोजन किस दिशा में और कितनी दूरी पर है। यह गंध-आधारित कोडिंग बिल्कुल वैसी ही है, जैसे इंटरनेट पर डाटा पैकेट्स को एक सर्वर से दूसरे सर्वर तक रूट किया जाता है। जैसे-जैसे अधिक संख्या में चींटियां इस रास्ते का उपयोग करती हैं, फेरोमोन की धारा अधिक गाढ़ी और मजबूत होती जाती है, जिससे पूरा झुंड सबसे कम दूरी और सबसे तेज मार्ग पर स्वतः केंद्रित होकर आगे बढ़ जाता है। कंप्यूटर वैज्ञानिकों और गणितज्ञों ने चींटियों के इस व्यवहार से प्रेरित होकर ही 'ऐंट कॉलोनी ऑप्टिमाइजेशन' एल्गोरिदम विकसित किया है, जिसका उपयोग आज अधिक जटिल 'लॉजिस्टिक्स सिस्टम', दूरसंचार, हवाई मार्गों के निर्धारण और 'नेविगेशन सिस्टम' में बड़े पैमाने पर किया जाता है। श्रम प्रबंधन और कार्य विभाजन के मामले में भी चींटियों का समाज इंसानी कॉरपोरेट जगत और आधुनिक मानव समाज को कड़ी टक्कर देता है। इनकी एक बड़ी कॉलोनी में हरेक सदस्य की भूमिका पूरी तरह निर्धारित होती है, जो उनकी आयु, शारीरिक बनावट और कॉलोनी की तात्कालिक जरूरतों व संकटों के आधार पर निरंतर बदलती रहती है।



वास्तु टिप्स घर में इन जगहों पर ना रखें खाली बर्तन, होगी पैसों की तंगी

घर के वास्तु को कई बार हम जाने-अनजाने में भी खराब कर देते हैं। जैसे कई बार पानी पीकर खाली गिलास कहीं भी रख देते हैं। या फिर खाली बर्तन चूल्हे पर रख देते हैं। ये चीजें काफी मामूली सी लगेंगी लेकिन धीरे-धीरे इनका असर हमारे घर के आर्थिक स्थिति पर भी पड़ सकता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में कुछ जगहों पर खाली बर्तन भूलकर भी नहीं रखने चाहिए क्योंकि इनसे घर की बरकत रुकती है और ऐसे में पैसों की तंगी आने वाले समय में परेशान कर सकती है। जानें ऐसी कौन सी 5 जगहें हैं जहां पर खाली बर्तन कभी भी नहीं रखने चाहिए?

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में इन जगहों पर खाली बर्तन ना रखें-

1. चूल्हे पर ना हो खाली बर्तन-नियम के हिसाब से घर के किचन में भी खाली बर्तन नहीं होना चाहिए। खासकर चूल्हे पर गलती से भी खाली बर्तन नहीं रखा होना चाहिए। चूल्हे पर रखा कोई भी खाली बर्तन बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता है। वास्तु मान्यता है कि ये गलती करने से घर में धन-धान्य की कमी होने लगती है। किचन में खाली बर्तनों को हमेशा उलटा करके किसी एक जगह स्टोर करना चाहिए।

2. पूजा घर में ना रखें खाली बर्तन-वास्तु के नियम के हिसाब से घर के मंदिर में कोई भी बर्तन खाली नहीं होना चाहिए। कलश से लेकर भोग वाली कटोरी कभी भी खाली नहीं होनी चाहिए। अगर इनका इस्तेमाल नहीं है इसे उलटा यानी पट करके रख दें। पूजा के बाद आमतौर पर लोग बर्तन वहीं खाली छोड़ देते हैं जोकि सही तरीका नहीं है। नियम के अनुसार मंदिर में खाली बर्तन नहीं रखना चाहिए।

3. बेड के पास ना रखें खाली गिलास-अक्सर लोग बेड के पास पानी का गिलास रख देते हैं ताकि देर रात जब प्यास लगे तो पानी आसानी से पी लिया जाए। अब ऐसी स्थिति में खाली गिलास पास में ही रखा रह जता है। वास्तु के अनुसार बेड के आसपास या फिर सोने वाली जगह पर खाली बर्तन को रखना सही नहीं मानते हैं। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की पॉजिटिव एनर्जी बुरी तरह से प्रभावित होती है। ऐसे में बेड के पास खाली गिलास या फिर कोई भी बर्तन नहीं रखना चाहिए।

4. घर के मुख्यद्वार पर ना रखें खाली बर्तन-वास्तु में घर का मुख्यद्वार बहुत ही अहमियत रखता है। यहीं से घर में हर तरह की एनर्जी आती है। ऐसे में गलती से भी यहां पर कोई भी खाली बर्तन नहीं होना चाहिए।



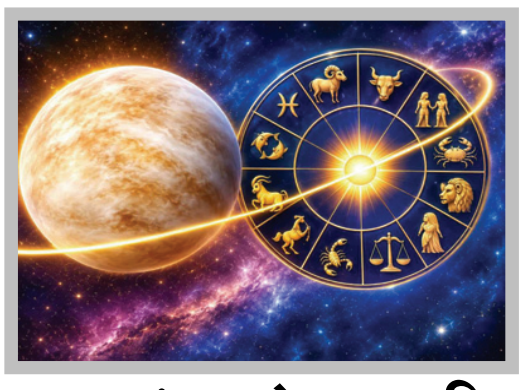

22 नवंबर को तुला राशि में आ रहे शुक्र, बहुत अच्छा समय लेकिन 2 राशियां रहें सतर्क

धन-संपदा के कारक शुक्र 22 नवंबर 2026 को अपनी मूल त्रिकोण राशि तुला में गोचर करने वाले हैं और 1 जनवरी 2027 तक यानी 40 दिन तक इसी राशि में रहेंगे। इसके पहले शुक्र 2 सितंबर 2026 को तुला राशि में आए थे। वक्री होकर कन्या राशि में चले गए थे। अब मार्गी होकर फिर तुला राशि में वापसी करने वाले हैं। पंडित नरेंद्र उपाध्याय बताते हैं कि शुक्र का अपनी स्वराशि में गोचर करना सुख, संपत्ति, कला, आर्थिक स्थिति और वैवाहिक जीवन के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। इस दौरान जातकों को धन लाभ, व्यापारिक उन्नति, करियर में तरक्की और प्रेम-संबंधों में सुधार जैसे संभावित लाभ होते हैं। हालांकि इस दौरान लोगों को जल्दबाजी में निवेश से बचना चाहिए। एस्ट्रोलॉजर उपाध्याय कहते हैं कि शुक्र जब तुला राशि में आते हैं तो आमतौर पर सभी राशियों को लाभ मिलता है लेकिन 2 राशियां ऐसी हैं, जिन्हें इस दौरान सतर्क रहना चाहिए।

शुक्र गोचर का जनमानस पर प्रभाव-पंडित जी के अनुसार, तुला राशि के शुक्र जनमानस पर बहुत सकारात्मक प्रभाव डालते हैं क्योंकि यह एक अच्छा संकेत माना जाता है। इस समय जातकों की आर्थिक स्थिति पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। यह गोचर लग्जरी लाइफ, रिलेशनशिप, दांपत्य जीवन, प्रेमी-प्रेमिका के लिए और हार्मोनल परेशानियों के लिए अच्छा साबित हो सकता है।

शुक्र गोचर के दौरान 2 राशियां रहें सतर्क-शुक्र गोचर का धनु और मीन राशि पर अशुभ प्रभाव पड़ेगा। इस दौरान इन राशियों को धन संबंधी मामलों में सावधानी और निवेश से जुड़े फैसलों में जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। जानें ये राशियां क्या बरतें सावधानी।

धनु राशि-शुक्र गोचर से धनु राशि वालों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस समय आपके खर्च में वृद्धि हो सकती है। अनाप-शनाप खर्च मानसिक तनाव दे सकते हैं। निवेश से जुड़ा कोई भी फैसला एक्सपर्ट की सलाह के बिना लेने से बचें। परिवार के मामलों को धैर्य के साथ निपटाएं। वाणी और क्रोध पर नियंत्रण रखें। भूमि, भवन या वाहन की खरीदारी में अड़चनों का सामना कर सकते हैं। नौकरी में तरक्की के लिए इंतजार लंबा हो सकता है। क्या आप जानना चाहते हैं कि शुक्र गोचर का आपकी जन्मकुंडली पर क्या प्रभाव पड़ेगा?



प्रलयः रणवीर की फिल्म की शूटिंग पर उठे सवाल

रणवीर सिंह अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि उनकी फिल्म की शूटिंग पर विवाद हो रहा है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने महाराष्ट्र खेल विभाग की तरफ से फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई के आजाद मैदान को इस्तेमाल करने की अनुमति दिए जाने पर आपत्ति जताई है। एसोसिएशन ने अधिकारियों पर आरोप लगाया है कि वे इस खेल मैदान का व्यावसायिक इस्तेमाल कर रहे हैं। इस शूटिंग की वजह से अंडर-14 और अंडर-16 इंटर-स्कूल मैचों को टालना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एमसीए ने खेल विभाग के उप-निदेशक को पत्र लिखकर पूछा है कि व्यावसायिक अनुमति देने से पहले एसोसिएशन से सलाह क्यों नहीं ली गई। एमसीए एपेक्स काउंसिल के सदस्य नदीम मेमन ने बताया कि खेल विभाग युवा खिलाड़ियों की जरूरतों के बजाय व्यावसायिक बुकिंग को ज्यादा अहमियत दे रहा है।

मैदान पर अतिक्रमण का इल्जाम

मेमन ने कहा, 'आजाद मैदान का एक बड़ा हिस्सा पहले ही मेट्रो के निर्माण कार्य के लिए दे दिया गया था, मगर कई बार याद दिलाने के बावजूद ठेकेदारों ने अभी तक वह जगह खाली नहीं की है। मुंबई पुलिस भी अपनी मूल जगह पर वापस जाने के बजाय अभी भी मैदान पर कब्जा जमाए हुए है। अब यहां फिल्मों की शूटिंग की भी अनुमति दी जा रही है।'

मेमन ने उठाए सवाल

मेमन ने बताया कि फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग के लिए मैदान पर बड़े-बड़े सेट लगाए गए और खेलने वाली सतह पर कृत्रिम घास बिछा दी गई। आजाद मैदान ट्रेनिंग ग्राउंड है, न कि कोई व्यावसायिक जगह। धार्मिक आयोजनों, राजनीतिक रैलियों, मैराथन और प्रदर्शनियों की वजह से पहले भी यहां खेल गतिविधियों में रुकावटें आई हैं। मेमन ने सवाल उठाया कि युवा टूर्नामेंटों में आने वाली रुकावटों की जिम्मेदारी कौन लेगा? एमसीए ने अपने आधिकारिक पत्र में खेल विभाग से आग्रह किया है कि वे पहले से तय खेल आयोजनों को प्राथमिकता दें। एसोसिएशन ने जोर देकर कहा कि उनके अंडर-14 और अंडर-16 टूर्नामेंट काफी पहले से तय कर लिए जाते हैं और ये राज्य में क्रिकेट के विकास तंत्र का एक अहम हिस्सा हैं।

राज्य सरकार ने प्रोडक्शन हाउस 'लाइट रेज' को आजाद मैदान में 5000 वर्ग गज सरकारी जमीन का छह घंटे तक इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। इसके लिए 40000 रुपये का किराया और 40000 रुपये की रिफंडेबल सिक्योरिटी डिपॉजिट (सुरक्षा राशि) ली गई है। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, खेल उप निदेशक नवनाथ फर्टाडे ने कहा एक सरकारी प्रस्ताव (जक्र) के तहत विभाग को यह अधिकार है कि वह साल में 30 दिनों तक आजाद मैदान को खेल-कूद के अलावा अन्य गतिविधियों के लिए आवंटित कर सकता है।

क्या बोले निर्माता

'प्रलय' के निर्माता हंसल मेहता ने बताया कि शूटिंग शुरू करने से पहले उनकी प्रोडक्शन टीम ने संबंधित अधिकारियों से सभी जरूरी अनुमतियां ले ली थीं।





फिल्म 'लड़ाकू' से बतौर प्रोड्यूसर अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं कार्तिक आर्यन

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले कार्तिक आर्यन और कबीर खान की जोड़ी एक बार फिर साथ आ रही है। दोनों की अगली फिल्म का नाम और रिलीज डेट सामने आ गई है। बता दें कि फिल्म का नाम 'लड़ाकू' है। मेकर्स ने इसे एक ऐसी फिल्म बताया है, जो दर्शकों को भावुक करने के साथ प्रेरित भी करेगी। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ कार्तिक आर्यन बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं।

बुधवार को बिरला स्टूडियोज ने फिल्म 'लड़ाकू' की रिलीज डेट का ऐलान किया। यह फिल्म 18 जून, 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को बिरला स्टूडियोज और कबीर खान एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं, डोपामिन स्टूडियोज के जरिए कार्तिक आर्यन भी बतौर निर्माता इस फिल्म से जुड़ रहे हैं। मेकर्स के मुताबिक, 'लड़ाकू' एक सच्ची घटना पर आधारित असाधारण कहानी है, जिसमें महत्वाकांक्षा, हिम्मत और उम्मीद की झलक देखने को मिलेगी। इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया जा रहा है। फिलहाल फिल्म की कहानी, बाकी कलाकारों और क्रू से जुड़ी जानकारी सामने नहीं आई है।

'चंदू चैंपियन' में कर चुके हैं साथ काम

बता दें कि कार्तिक आर्यन और कबीर खान इससे पहले साल 2024 में आई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'चंदू चैंपियन' में साथ काम कर चुके हैं। यह फिल्म भारत के पहले पैरालंपिक मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म को क्रिटिक्स की खूब तारीफ मिली थी। कई लोगों ने इसे कार्तिक के करियर की अब तक की बेहतरीन परफॉर्मेंस भी बताया था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को खास सफलता नहीं मिली। करीब 80 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने सिनेमाघरों में लगभग 88 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। बाद में ओटीटी पर रिलीज होने के बाद इसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और यह फैंस की पसंदीदा फिल्मों में शामिल हो गई।



बॉलीवुड एक्ट्रेस राइमा सेन ने महल छोड़कर चुनी फिल्मों की दुनिया

फिल्म दुनिया में अपनी पहचान बनाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है, लेकिन जब कोई शाही परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद अभिनय की राह चुनता है, तो उनकी कहानी और भी ज्यादा दिलचस्प हो जाती है। अभिनेत्री राइमा सेन भी शाही परिवार से आती हैं, जिनका नाता राजघराने से रहा है। शाही परिवार से पली-बढ़ी राइमा ने ग्लैमर की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने का फैसला किया। 7 नवंबर 1979 को मुंबई में जन्मी अभिनेत्री राइमा सेन शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता भरत देव वर्मा त्रिपुरा के शाही परिवार के सदस्य हैं। उनकी दादी, इला देवी, कूच बिहार की राजकुमारी थीं और उनकी छोटी बहन गायत्री देवी जयपुर की महारानी थीं। वहीं, अभिनेत्री की मां मुनमुन सेन जानी-मानी अभिनेत्री हैं और उनकी नानी सुचित्रा सेन बंगाली सिनेमा की महान नायिका (महानायिका) मानी जाती थीं। घर में नानी और मां के अभिनय से जुड़े होने के कारण उन्हें अभिनय की दुनिया विरासत में मिली। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1999 में आई फिल्म 'गॉडमदर' से की थी, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। इसके बाद वे फिल्म 'दमन' में नजर आई। बंगाली सिनेमा में रितुपर्णो घोष की फिल्म 'चोखेर बाली' में ऐश्वर्या राय के साथ उनके काम की बहुत सराहना हुई थी। इसके अलावा वह प्रमुख बंगाली फिल्मों 'बैशे श्राबोन', 'नौका डूबी', 'हृद मझारे' और 'माछ मिष्टी एंड मोर' में नजर आई थीं। उन्होंने साल 2005 में विद्या बालन के साथ फिल्म 'परिणीता' में काम किया, जिससे उन्हें हिंदी सिनेमा में भी बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म में उन्होंने सैफ अली खान और विद्या बालन के साथ काम किया था। साल 2011 में अभिनेत्री 'बैशे श्राबोन' में नजर आई थीं। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के साथ-साथ राइमा सेन के काम की भी सराहना हुई थी। उन्होंने 'द जापानी वाइफ', 'हनीमून ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड', 'द वैक्सीन वॉर' और 'मिस्ट्री चेज़' जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। उनकी प्रमुख वेब सीरीज में 'हैलो!', 'द लास्ट ओवर' और 'माई' शामिल हैं।

अभिनेता के तौर पर अलग तरह की दुनिया और किरदार करना हमेशा मजेदार होता है

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने अपनी आगामी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' के रिलीज से पहले कहा है कि किसी फिल्म या किरदार का चुनाव करते समय वह अपने अंदर के बच्चे की बात सुनती हैं। फिल्म के प्रचार के दौरान मुंबई में अपने सह-कलाकार पंकज त्रिपाठी के साथ बातचीत में अदिति ने कहा कि उन्हें इस फिल्म की कहानी बेहद प्यारी लगी। उन्होंने कहा, मुझे यह एक साधारण जिंदगी से जुड़ी कहानी वाली फिल्म लगी। इसके साथ जुड़े लोग भी ऐसे थे, जिनके साथ काम करने का मौका मुझे आम तौर पर नहीं मिलता। यही सब बातें थीं, जिन्होंने मुझे यह फिल्म करने के लिए प्रेरित किया। अदिति ने कहा कि एक अभिनेता के तौर पर अलग तरह की दुनिया और किरदार में काम करना हमेशा मजेदार होता है। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में एक हल्कापन था, जो मुझे बहुत पसंद आया। मैं बस इसे करना चाहती थी। मैंने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा। मेरे भीतर एक उत्साह और सहज भावना थी। मैं अपने अंदर के बच्चे की सुनती हूं। अगर किसी चीज को लेकर मैं उत्साहित होती हूं, तो मेरे लिए उस सफर का महत्व सबसे ज्यादा होता है क्योंकि परिणाम मेरे हाथ में नहीं होता।' उन्होंने कहा, 'अगर यात्रा मजेदार हो, उसमें रोमांच हो, सीखने का अवसर हो और अच्छे लोग साथ हों, तो वही सबसे महत्वपूर्ण होता है। आखिरकार वही अनुभव आपके साथ हमेशा रहता है।'





आईपीएस अफसर किरदार निभाने के लिए खुद से ज्यादा निर्देशक को भरोसा था

निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी पैन-इंडियन एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'ओमः चैप्टर 1- उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी आईपीएस अफसर के किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि इस किरदार को निभाने के लिए उनसे ज्यादा निर्देशक को उन पर ज्यादा भरोसा था। शुक्रवार को साईराम इंजीनियरिंग कॉलेज में हुए फिल्म के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च इवेंट में हिस्सा लेते हुए साई पल्लवी ने कहा, 'राजकुमार पेरियासामी कमाल के निर्देशक हैं। मैंने उन्हें पिछली फिल्म में ही कह दिया था कि मैं उनकी अगली फिल्म का हिस्सा बनना चाहती हूं लेकिन उन्होंने मेरी बात को सीरियस लिया और यह फिल्म बनाई। मेरे पुलिसवाले रोल पर उन्हें मुझसे भी ज्यादा भरोसा था। स्टंट सीक्वेंस पर काम करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव था। राजकुमार सर ने इस किरदार को कई परतों के साथ लिखा है। वो हर एक्ट्रेस के ड्रीम डायरेक्टर हैं, जिस तरह से वो महिलाओं के किरदार लिखते हैं, वो कमाल है।' अभिनेत्री ने बताया कि उनकी पिछली फिल्म 'अमरन' में उनके किरदार को पूरे समय 'ममूटी' कहकर पुकारा जाता था और अब उन्हें उसी मलयालम सुपरस्टार के साथ काम करने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, 'पिछली फिल्म में ममूटी-ममूटी कहकर अब ममूटी सर के साथ। पता नहीं क्या मैंने इसे मैनिफेस्ट कर लिया था।' फिल्म 'ओमः चैप्टर 1 - उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी एक कड़क और शक्तिशाली पुलिस अधिकारी नित्या रेड्डी (आईपीएस/सीबीआई अधिकारी) की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म लाल चंदन की अवैध तस्करी के इर्द-गिर्द घूमती है। नित्या रेड्डी इसी तस्करी के नेटवर्क की जांच करने के लिए 'ऑपरेशन ओम' के तहत मैदान में उतरती हैं। उनकी जांच के पीछे एक व्यक्तिगत नुकसान की वजह जुड़ी है, जो उन्हें न्याय पाने के लिए प्रेरित करती है।



चैंपियंस लीगः लिवरपूल ने दर्ज की धमाकेदार जीत

मैनचेस्टर यूनाइटेड और स्पोर्टिंग सीपी का मुकाबला 2-2 से रहा ड्रॉ

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस लीग में लिवरपूल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्लब ब्रुग को 3-0 से हराया। इस मैच में अलेक्जेंडर इसाक ने दो गोल किए, जबकि फ्लोरियन विर्ट्ज ने भी एक शानदार लॉन्ग-रेंज गोल दागा। जान ब्रेयडेल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले की शुरुआत में ही अलेक्जेंडर इसाक ने करीब से गोल करके लिवरपूल को बढ़त दिला दी। लिवरपूल का डिफेंस भी मुकाबले में काफी मजबूत नजर आया और मैच के अंत में फ्लोरियन विर्ट्ज और इसाक के बेहतरीन गोलों की मदद से 3 अंक पक्के कर लिए। डोमिनिक सोबोस्जलाई के पास पर इसाक ने गोल करके लिवरपूल को हाफ-टाइम तक बढ़त दिला दी। इस दौरान यान सोमर ने हंगरी के खिलाड़ी सोबोस्जलाई के करीब से लिए गए शॉट को रोक दिया, जबकि दूसरे हाफ में लिवरपूल के गोलकीपर एलिसन बेकर ने फेलिक्स लेमारेचल के शॉट को बाहर कर दिया।



मैच खत्म होने से 11 मिनट पहले रियो न्गुमोहा के पास पर विर्ट्ज ने गेंद को पोस्ट के सहारे गोल में बदल दिया। इसके बाद, एलिसन की लंबी पास पर इसाक ने शानदार तरीके से गेंद को कंट्रोल करते हुए एक और गोल दागा। एंडोनी इराओला की टीम ने लीग चरण में अब तक 15 में से 12 अंक हासिल कर लिए हैं। उनका अगला मुकाबला घरेलू मैदान पर एफसी पोर्टो के खिलाफ होगा।

बार्सिलोना ने सबाह एफके को 4-1 से हराया, पीएसजी-रोमा के बीच 2-2 से ड्रॉ रहा मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एफसी बार्सिलोना ने बाकू में सबाह एफके को 4-1 से हराया। एंथनी गॉर्डन के दो गोल और करीम अदेयेमी तथा गेब्रियल जीसस के एक-एक गोल की मदद से बार्सिलोना ने यूईएफए चैंपियंस लीग के लीग चरण में अपने पांचवें मैच में चौथी जीत दर्ज की। शुरुआत से ही गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखने के बावजूद, बार्सिलोना को अजरबैजानी टीम के अनुशासित डिफेंस को भेदने में शुरुआती संघर्ष करना पड़ा। हाफ-टाइम के बाद, गेब्रियल जीसस के शॉट को पोकातिलोव ने रोका, लेकिन गेंद रिबाउंड होकर गॉर्डन के पास आई, जिन्होंने बार्सिलोना के लिए पहला गोल दागा। इसके बाद करीम अदेयेमी ने दूसरा गोल किया। जीसस ने तीसरा गोल किया, जबकि जॉय-लांस मिकल्स ने एक शानदार फिनिश के साथ अपनी टीम के लिए एक गोल किया। अदेयेमी पांचवां गोल करने के करीब थे, लेकिन पेनल्टी एरिया के अंदर से लगाया गया उनका जोरदार शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। हालांकि, बार्सिलोना ने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल करने और राउंड ऑफ 16 में सीधे क्वालिफिकेशन की ओर एक और बड़ा कदम बढ़ाने के लिए पर्याप्त काम कर लिया था। इस बीच, पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने अपने घरेलू मैदान पर एएस रोमा के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलकर यूईएफए चैंपियंस लीग में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। मारियो हर्मोसो (5वें मिनट) के शुरुआती गोल के जवाब में इल्या जबार्नी (31वें मिनट) ने पीएसजी के लिए अपना पहला कॉन्टिनेंटल गोल किया।



ईयर एंडर 2026

टी20 विश्व कप का खिताब, छक्कों का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए साल 2026 बेमिसाल रहा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया अपनी ही धरती पर टी20 विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाली दुनिया की पहली टीम बनी। इसके साथ ही एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल के अलावा टीम ने छक्कों का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। टी20 विश्व कप का खिताब : भारतीय टीम ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराने के साथ ही भारत टी20 विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाला पहला देश बना। इसके साथ ही अपनी घरेलू सरजमीं पर टीम इंडिया चैंपियन बनने वाली पहली



टीम भी बनी। भारत ने तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा और टीम को सिर्फ एक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए संजू सैमसन ने सर्वाधिक 321 रन बनाए जबकि 8 मैचों में 14 विकेट लेकर बेस्ट गेंदबाज रहे। एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल : जापान की धरती पर खेले गए एशियन गेम्स 2026 में भी भारतीय क्रिकेट टीम का जलवा रहा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया। टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन ईशान किशन ने बनाए जबकि अक्षर पटेल सबसे सफल गेंदबाज रहे।

मुल्डर की शानदार गेंदबाजी, बांग्लादेशी बल्लेबाजों का दूसरी इनिंग में भी 'सरेंडर'

साउथ अफ्रीका ने एक पारी और 219 रनों से जीता दूसरा टेस्ट

सेंचुरियन(एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट मैच में एक पारी और 219 रनों से हराया। सुपरस्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर बांग्लादेश के बल्लेबाजों का प्रदर्शन दूसरी इनिंग में भी निराशाजनक रहा और पूरी टीम सिर्फ 184 रन बनाकर सिमट गई। दूसरी पारी में बांग्लादेश तंजीद हसन तमीम और महफिजुल इस्लाम ने सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। तंजीद 29 रन बनाकर आउट हुए, जबकि महफिजुल 38 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे। मोमिनुल हक अपना खाता भी नहीं



खोल सके। वहीं, कप्तान नजमुल हुसैन शांतो 34 रन बनाने के बाद वियान मुल्डर का शिकार बने। तौहीद हिरदॉय भी अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 33 गेंदों में 41 रन बनाकर आउट हुए। लिटन दास ने 15 रन बनाए, जबकि जेकर अली 2 रन ही बना सके। शोरिफुल इस्लाम (0) और तस्कीन अहमद (10 रन) भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। खलील अहमद 5 रन बनाकर आउट हुए। दूसरी पारी में साउथ अफ्रीका की तरफ से वियान मुल्डर ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 11 ओवर के स्पेल में 31 रन देकर 7 विकेट चटकाए, जबकि मार्को जानसेन ने 2 विकेट अपने नाम किए। कगिसो रबाडा ने एक विकेट झटका। बांग्लादेश की पूरी टीम पहली पारी में सिर्फ 91 रन बनाकर ढेर हो गई थी, जिसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने 7 विकेट खोकर 494 रन बनाने के बाद अपनी पारी को घोषित किया था।

न्यूजीलैंड-भारत दूसरा टेस्ट

क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में कैसा है भारत का टेस्ट रिकॉर्ड, 2020 में करना पड़ा था करारी हार का सामना

क्राइस्टचर्च में दूसरा टेस्ट आज से



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल मैदान पर खेला जाना है। वेलिंगटन में खेला गया सीरीज का पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था। आइए आपको बताते हैं कैसा रहा है टीम इंडिया का हेगली ओवल के मैदान पर टेस्ट रिकॉर्ड। दरअसल, भारतीय टीम ने क्राइस्टचर्च के इस मैदान पर अब तक सिर्फ एक ही टेस्ट मैच खेला था और इस मुकाबले में टीम को 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। 2020 में विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम पहली पारी में 242 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी।

इसके जवाब में भारतीय गेंदबाज न्यूजीलैंड की पहली पारी को 235 रनों पर समेटने में सफल रहे थे। दूसरी पारी में टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने आसानी से न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों के आगे घुटने टेक दिए थे और पूरी टीम महज 124 रन बनाकर सिमट गई थी। न्यूजीलैंड ने 132 रनों के लक्ष्य को 3 विकेट खोकर हासिल करते हुए टेस्ट मैच को तीसरे ही दिन अपने नाम कर लिया था। हालांकि, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इस बार पिछली हार का हिसाब चुकता करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। न्यूजीलैंड ने इस ग्राउंड पर अब तक कुल 15 टेस्ट मैच खेले हैं और टीम को 9 में जीत हासिल हुई है। हेगली ओवल में न्यूजीलैंड को 4 टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि 2 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम के लिहाज से पहला टेस्ट मैच शानदार रहा था। भारत का बल्लेबाजी क्रम जबरदस्त फॉर्म में नजर आया था। केएल राहुल और ऋषभ पंत शतकीय पारियां खेलने में सफल रहे थे, तो यशस्वी जायसवाल, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल और कप्तान गिल ने भी अर्धशतकीय पारियां खेली थीं।

भारतीय टीम पहली पारी में ही 720 रन बनाने में सफल रही थी, जो न्यूजीलैंड की धरती पर टेस्ट में बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर था। हालांकि, भारतीय टीम के गेंदबाज दूसरी पारी में संघर्ष करते हुए जरूर दिखाई दिए थे। टीम के गेंदबाज आखिरी दो सेशन में सिर्फ एक ही विकेट निकालने में सफल रहे थे और न्यूजीलैंड टेस्ट मैच को ड्रॉ कराने में कामयाब रहा था।

दो बार शून्य पर आउट हुए लाथम, बुमराह ने दोनों पारियों में किया था शिकार, क्या निकाल पाएंगे तोड़?

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम जानते हैं कि जसप्रीत बुमराह का सामना करना आसान नहीं है। भारत के तेज गेंदबाज ने सीरीज के पहले टेस्ट की दोनों पारियों में उन्हें खाता भी नहीं खोलने दिया था। इसके बावजूद लाथम दूसरे टेस्ट में अपनी बल्लेबाजी की शैली में कोई बड़ा बदलाव नहीं करना चाहते हैं। उनका कहना है कि उनकी तैयारी पिछले सप्ताह जैसी ही है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट शुक्रवार से क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में खेला जाएगा। बुमराह की अनूठी गेंदबाजी शैली और बल्लेबाज के करीब गेंद डालने की क्षमता उन्हें खास बनाती है। स्विंग के अनुकूल परिस्थितियों में उनका सामना करना और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।





अपनी बल्लेबाजी में बदलाव नहीं करना चाहते लाथम

लाथम अपनी बल्लेबाजी शैली पर ही कायम रहना चाहते हैं। उनका मानना है कि तकनीक में बदलाव करने के बजाय अपने विचारों में स्पष्टता रखना ज्यादा जरूरी है। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी मुश्किल यह होती है कि अगर कुछ अलग करने की कोशिश सफल नहीं होती, तो इससे ध्यान भटक जाता है। लेकिन मुझे लगता है कि अगर आज मैं इस मुकाम पर हूं तो इसका कारण यही है कि मैं जो कर रहा हूं, उसे लेकर पूरी तरह स्पष्ट हूं।' लाथम ने कहा, 'तकनीक के मामले में इसे बिल्कुल सरल रखना सबसे महत्वपूर्ण है। चुनौती यह हो सकती है कि उस सोच से बाहर निकलकर रन बनाने का कोई जादुई तरीका खोजने की कोशिश की जाए। लेकिन हमारे खेल में ऐसा कोई जादुई तरीका नहीं है।'

बुमराह की गेंदबाजी शैली को बताया चुनौतीपूर्ण

दूसरे टेस्ट की पूर्व संध्या पर लाथम ने बुमराह की गेंदबाजी पर बात की। उन्होंने कहा, 'जसप्रीत बुमराह निश्चित रूप से चुनौती पेश करते हैं, चाहे वह नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे हों या पुरानी गेंद से। उनकी गेंदबाजी शैली अनूठी है और वह दूसरे गेंदबाजों की तुलना में गेंद को बल्लेबाज के थोड़ा अधिक करीब डालते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण उस गेंद को खेलने के लिए खुद को तैयार रखना है, जो सबसे खतरनाक साबित हो सकती है। हो सकता है कि कुछ खिलाड़ियों का खेलने का तरीका मुझसे बिल्कुल अलग हो।'

विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी अपने विजय रथ को बरकरार रखना चाहेगी भारतीय टीम

सेमीफाइनल में मलेशिया से होगी भिड़ंत



भोपाल (एजेंसी)। लगातार पांच जीत दर्ज करके शानदार फॉर्म में मौजूद भारतीय विमेंस हॉकी टीम शुक्रवार को नाथू बरखेड़ा स्थित इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के सेमीफाइनल में मलेशिया से भिड़ेगी। मौजूदा चैंपियन भारत ने 2016, 2023 और 2024 में महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता है। अब टीम अपने चौथे खिताब की तलाश में है, जो उसे इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम बना देगा। भोपाल संस्करण की शुरुआत से पहले, भारत और साउथ कोरिया दोनों के नाम तीन-तीन चैंपियनशिप थीं। मुख्य कोच स्योर्ड मारिन के मार्गदर्शन में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने पांच मैचों में 15 अंक हासिल करके अंक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। मौजूदा चैंपियन ने 23 गोल किए हैं और केवल चार गोल खाए हैं, जिससे उनका गोल अंतर प्लस 19 रहा है। भोपाल में भारत का अब तक का प्रदर्शन उनकी आक्रामक क्षमता और मजबूत डिफेंस को दर्शाता है। इसी शानदार खेल की बदौलत भारतीय टीम इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (एफआईएच) रैंकिंग में विश्व नंबर 4 के ऐतिहासिक मुकाम पर पहुंच गई है।

दीपिका इस टूर्नामेंट की सबसे प्रभावशाली आक्रामक खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरी हैं। उन्होंने आठ गोल के साथ स्कोरिंग चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया है, जिसमें थाईलैंड और चीन के खिलाफ लगाई गई हैट्रिक भी शामिल है। हालांकि, मेजबान टीम की ताकत सिर्फ उनके टॉप स्कोरर तक ही सीमित नहीं है। लालरेमसियामी, नवनीत कौर, मुमताज खान, नेहा, साक्षी राणा और सुनेलिता टोप्पो ने भी टीम के लिए अहम योगदान दिया है।

मिडफील्ड में नवनीत ने मौके बनाने और पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में अहम भूमिका निभाई है, जबकि कप्तान सलीमा टेटे ने अपने पासिंग, मूवमेंट और नेतृत्व क्षमता से टीम को मजबूती दी है। साक्षी, सुनेलिता और नेहा के

'आप ऐसे कारनामे कर रहे हैं, जो हमारे में से ज्यादातर लोग पूरे करियर में नहीं कर पाते'

पीटरसन हुए वैभव के फैन

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। एसीसी मेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ने वाला दोहरा शतक लगाने के बाद पीटरसन ने कहा कि 15 साल का यह खिलाड़ी ऐसे कारनामे कर रहा है, जो ज्यादातर क्रिकेटर अपने पूरे करियर में भी नहीं कर पाते। सूर्यवंशी ने शानदार पावर-हिटिंग का प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 53 गेंदों में 204 रन बनाए। उनकी इस पारी में 28 छक्के और 7 चौके शामिल थे, जिसकी मदद से भारत-ए ने 7 विकेट से जीत दर्ज की और सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। इस युवा खिलाड़ी की असाधारण पारी पर प्रतिक्रिया देते हुए पीटरसन ने सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी और उन्हें बेहद शानदार प्रतिभा बताया। पीटरसन ने अपने 'एक्स' पर लिखा, 'अपने करियर की शुरुआत में ही लगातार रिकॉर्ड तोड़ना वाकई कमाल है। आप ऐसे कारनामे कर रहे हैं जो हमारे में से ज्यादातर लोग अपने पूरे करियर में नहीं कर पाते। आपको और ताकत मिले, मुझे आपका सफर देखना बहुत पसंद है।' बिहार के इस युवा बल्लेबाज ने यूएई के खिलाफ रन चेज के दौरान लिस्ट-ए क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने इस फॉर्मेट में सबसे तेज शतक और दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर-मैकगर्क के रिकॉर्ड से बेहतर है।



फ्रेजर-मैकगर्क ने 2023 में तस्मानिया के खिलाफ साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए 29 गेंदों में शतक लगाया था। सूर्यवंशी ने सिर्फ 52 गेंदों में अपना पहला दोहरा शतक पूरा किया। इसके साथ ही उन्होंने लिस्ट-ए की एक पारी में किसी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत-ए ने सिर्फ 14.2 ओवर में 254/3 रन बनाते हुए आसानी से मैच को अपने नाम किया।

सुरेश रैना: टी20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज

विश्व कप 2011 में निभाई थी अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने अपने इंटरनेशनल करियर में कई बड़े मुकाम हासिल किए। वह टी20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज रहे। इसके साथ ही उन्होंने वनडे विश्व कप 2011 में टीम इंडिया को चैंपियन बनाने में भी अहम भूमिका निभाई। सुरेश रैना का जन्म 27 नवंबर 1986 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के मुरादनगर में हुआ। रैना की क्रिकेट में दिलचस्पी अपने बड़े भाई मुकेश को क्रिकेट खेलते देखकर जागी। वह मुरादनगर के वीनस क्रिकेट क्लब में भाई के साथ



जाया करते थे। रैना ने जल्द ही इस खेल में अपना करियर बनाने की ठान ली। रैना ने क्लब स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और जल्द ही उत्तर प्रदेश की अंडर-16 टीम में जगह बना ली। अंडर-17 और अंडर-19 टीमों के लिए दमदार प्रदर्शन करने के बाद रैना ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में अपना डेब्यू साल 2003 में किया।

घरेलू क्रिकेट में रैना ने लगातार अपनी बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया। 109 फर्स्ट-क्लास मैचों में रैना ने 42.15 की औसत से खेलते हुए 6,871 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 14 शतक और 45 अर्धशतक लगाए।

संक्षिप्त समाचार

प्रीत विहार के कैफे में 22 वर्षीय युवती से गैंगरेप का आरोप, दो महिला समेत 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में महिलाएं महफूज नहीं हैं। आलम यह है कि अब उनके साथ काम करने वाले सहकर्मी ही उनकी आबरू के दुश्मन बन रहे हैं।

ताजा मामला पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार से सामने आया है, जहां एक महिला के साथ उसके सहकर्मियों ने ही सामूहिक दुष्कर्म किया।

सलाखों के पीछे पहुंचे आरोपी

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो लोग अभी-भी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है। पुलिस का स्पष्ट कहना है कि आरोपियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस के अनुसार, पीड़िता एक कैफे में काम करती थी, जहां इस घटना को अंजाम देने वाले आरोपी भी काम करते थे।

बता दें कि पीड़िता ने सोमवार रात अपने सहकर्मियों के साथ सल्तनत कैफे में आयोजित एक पार्टी में हिस्सा लिया। कैफे बंद होने के बाद भी ये लोग नाचते गाते रहे, चूंकि चाबी इन्हीं के पास थी। इसके बाद सुबह 3:30 बजे ये लोग वहां से निकल गए। वहीं, पीड़िता का आरोप है कि पार्टी में दो लोगों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया, जबकि अन्य दो लोगों ने उनकी सहायता की थी।

उधर, पुलिस ने इस मामले को संज्ञान में लेने के बाद चार पुरुषों और दो महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज कर लिया, जबकि तीन संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को बाकी की तलाश जारी है।

पुलिस का स्पष्ट कहना है कि इस मामले में शामिल आरोपियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। महिला को हर हाल में इंसाफ मिलकर रहेगा।

दिल्ली में राजघाट के पास तेज रफ्तार डंपर ने पैदल यात्री को कुचला, मौके पर मौत; आरोपी ड्राइवर फरार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में तेज रफ्तार वाहनों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। राजघाट के पास देर रात तेज रफ्तार डंपर ने सड़क पार कर रहे एक पैदल यात्री को कुचल दिया।

हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद डंपर ड्राइवर वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर दरियागंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस के मुताबिक, हादसा देर रात करीब डेढ़ बजे हुआ। डंपर की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, उसकी मौत हो चुकी थी।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

वहीं, मृतक की उम्र और पहचान की जानकारी फिलहाल नहीं मिल सकी है। पुलिस आसपास के इलाकों में उसकी पहचान कराने का प्रयास कर रही है। इसके लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही हैं। दरियागंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस डंपर के नंबर और ड्राइवर की पहचान करने के साथ उसकी तलाश में जुटी है।

दिल्ली के राजौरी गार्डन में क्रिकेट सट्टा गिरोह का पर्दाफाश, पुलिस ने मारा छापा, दो आरोपी चढ़े हत्थे

नईदिल्ली, एजेंसी। राजौरी गार्डन थाना क्षेत्र के सुभाष नगर में पुलिस ने क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

आरोपित एक आवासीय मकान की पहली मंजिल से आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे क्रिकेट मैच पर सट्टा लगवा रहे थे। पुलिस ने मौके से आठ मोबाइल फोन, एक एचपी लैपटाप और नकदी गिनने की मशीन बरामद की है। लैपटाप में सट्टेबाजी से जुड़ा डाटा मिला है।

क्रिकेट मैच पर चल रहा था सट्टा

पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि 21 नवंबर को सुभाष नगर पुलिस चौकी में तैनात हेड कांस्टेबल राहुल को सूचना मिली थी कि सुभाष नगर के मकान नंबर 10/67 और 68 की पहली मंजिल पर क्रिकेट मैच पर सट्टा खिलाया जा रहा है। सूचना के आधार पर चौकी प्रभारी एसआइ अनुज मोर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मकान पर छापा मारा। वहां दो व्यक्ति क्रिकेट मैच पर सट्टा लगवाते मिले।

दिल्ली में 47.5 लाख मतदाताओं को दोबारा जोड़ने में बीएलओ के छूट रहे पसीने, किरायेदारों का पता लगाना मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मतदाता सूची की जांच के दौरान मसौदा सूची से हटाए गए 47.5 लाख लोगों को दोबारा जोड़ने की कोशिश में बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को मुश्किल हो रही है। इनमें बड़ी संख्या उन लोगों की है, जो पुराना घर छोड़कर दूसरी जगह जा चुके हैं।

खासकर किरायेदारों का नया पता और फोन नंबर नहीं मिल पा रहा है। बीएलओ के सामने 30 नवंबर तक ऐसे मतदाताओं को ढूंढकर फार्म पहुंचाने और भरे हुए फार्म वापस लेने की चुनौती है।

मतदाताओं में ज्यादातर किरायेदार: बाबरपुर की एक अनधिकृत कॉलोनी में तैनात बीएलओ के मुताबिक, उनके मतदान केंद्र की सूची में करीब 300 ऐसे मतदाता हैं, जिनमें ज्यादातर किरायेदार हैं और मकान खाली कर जा चुके हैं। मकान मालिक भी उनके नए पते की जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। कई लोग यह लिखकर देने को तैयार नहीं हैं कि किरायेदार मकान छोड़ चुके हैं। एक अन्य बीएलओ ने बताया कि कई



मतदाताओं के फोन नंबर गलत हैं या बंद आ रहे हैं। कुछ लोग फोन उठाने के बाद भी जानकारी देने में रुचि नहीं दिखाते। बीएलओ को हर पते पर तीन बार जाने के निर्देश हैं, लेकिन मतदाता नहीं मिल रहे, जिससे फार्म बांटना और लक्ष्य पूरा करना मुश्किल है। शाहीन बाग के एक बीएलओ ने बताया कि उनकी सूची में करीब 400 से 500 मतदाता हैं। शुरुआत में सभी से संपर्क की कोशिश की गई, लेकिन कई लोगों ने जवाब नहीं दिया। उन्हें सोमवार को फार्म मिले और मंगलवार से वितरण शुरू करना है।

नए पते का ब्योरा क्यों देना जरूरी?

चुनाव कार्यालय के निर्देशानुसार, दिल्ली में ही दूसरी जगह रहने लगे मतदाताओं को भरा हुआ गणना फार्म और नए पते की जानकारी वाला परिशिष्ट-सी जमा करना होगा। इसमें नया पता और विधानसभा क्षेत्र बताना जरूरी है। दस्तावेज उस विधानसभा क्षेत्र के मतदाता पंजीकरण अधिकारी या सहायक अधिकारी को देने होंगे, जहां मतदाता अब रह रहा है। नए मतदान केंद्र के बीएलओ से भी मदद ली जा सकती है।

घर बैठे कैसे भरें फॉर्म?

चुनाव कार्यालय के मुताबिक, बीएलओ फार्म पहुंचाने के लिए घर जा सकते हैं। फोन नंबर उपलब्ध होने पर वाट्सएप और एसएमएस से भी फार्म भेजे जा सकते हैं। मतदाता चुनाव आयोग की वेबसाइट या ईसीआइनेट एप से भी फार्म डाउनलोड कर सकते हैं। इसके लिए पहले वाला मतदाता पहचान पत्र नंबर इस्तेमाल करना होगा। फार्म बांटने और भरे हुए फार्म जमा करने की अंतिम तारीख 30 नवंबर है। 10 दिसंबर तक आवेदनों की जांच और निपटारा होगा। दिल्ली की अंतिम मतदाता सूची 22 दिसंबर को जारी होनी है।

गीता कॉलोनी फ्लाईओवर पर लगेंगे 18 सीसीटीवी कैमरे, आइटीएमएस से जुड़ेगा ट्रैफिक प्रबंधन



पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। यमुनापार से राजघाट, दरियागंज और मध्य दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन चालकों को गीता कॉलोनी फ्लाईओवर पर लगने वाले जाम से राहत दिलाने के लिए निगरानी व्यवस्था मजबूत की जाएगी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से फ्लाईओवर पर 18 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों को इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आइटीएमएस) से जोड़ने की योजना है।

यातायात की स्थिति पर रखी जाएगी नजर

इससे फ्लाईओवर और यमुना पुल के आसपास यातायात की स्थिति पर नजर रखी जा सकेगी और जाम, वाहन खराब होने या सड़क पर अन्य बाधाओं की स्थिति में तुरंत कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। गीता कॉलोनी फ्लाईओवर यमुनापार को राजघाट, आइटीओ, दरियागंज और मध्य दिल्ली के अन्य इलाकों से जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है। रोजाना बड़ी संख्या में वाहन इस रास्ते से गुजरते हैं। व्यस्त समय में किसी वाहन के खराब होने, दुर्घटना या सड़क पर अन्य बाधा के चलते यहां वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। कई बार फ्लाईओवर पर जाम लगने से इसका असर आसपास की सड़कों और संपर्क मार्गों पर भी पड़ता है। ऐसे में कैमरों के जरिए यातायात की निगरानी होने से बाधा की पहचान करने और यातायात पुलिस को मौके पर भेजने में आसानी होगी।

कैमरों से मिलेंगी लाइव तस्वीरें

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार कैमरों से फ्लाईओवर और यमुना पुल के विभिन्न हिस्सों की लाइव तस्वीरें मिल सकेंगी। इससे जाम की स्थिति, वाहनों की आवाजाही और सड़क पर किसी तरह की बाधा का पता समय रहते लगाया जा सकेगा। संबंधित एजेंसियां निगरानी के आधार पर यातायात को नियंत्रित करने और जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्था करने में सक्षम होंगी। यह व्यवस्था दिल्ली के प्रमुख मार्गों पर तकनीक आधारित यातायात प्रबंधन को मजबूत करने की दिशा में भी अहम होगी। जाम की स्थिति में वाहनों के लंबे समय तक खड़े रहने से होने वाले प्रदूषण को कम करने और व्यस्त मार्ग पर यातायात सुचारु बनाए रखने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली में निजी जमीन पर पेड़ काटने के नियमों में बदलाव

5 प्रजातियों को मिली छूट; ट्रांजिट परमिट से राहत



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने प्राइवेट जमीन पर लगे 5 तरह के पेड़ों को काटने के नियम आसान कर दिए हैं। अब इन पेड़ों को काटने के लिए पहले से इजाजत नहीं लेनी होगी। इसको लेकर सरकार ने गजट नोटिफिकेशन जारी किया है।

जिन 5 प्रजातियों को छूट दी गई है, उनमें पॉपलर, सफेदा (यूकेलिप्टस), सहजन (मोरिंगा), गमारी और मालाबार नीम शामिल हैं। सरकार के मुताबिक, प्राइवेट जमीन पर लगे इन पेड़ों को काटने, हटाने या निपटाने के लिए दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम के तहत इजाजत की जरूरत नहीं होगी। साथ ही इनके बदले में दूसरा पेड़ लगाने का नियम भी लागू नहीं होगा।

क्यों लिया गया फैसला?- सरकार का कहना है कि लोगों को अपनी ही जमीन पर पेड़ काटने की इजाजत लेने में काफी दिक्कत हो रही थी। इस वजह से लोग पेड़ लगाने से भी कतराने लगे थे। गजट नोटिफिकेशन में कहा गया है कि प्राइवेट जमीन पर तेजी से बढ़ने वाली और कमर्शियल प्रजातियों के पौधारोपण को इजाजत की प्रक्रिया की वजह से बढ़ावा नहीं मिल पा रहा था। इसी को देखते हुए दिल्ली वृक्ष संरक्षण (एग्रो-फॉरेस्ट्री और छूट प्राप्त पौधारोपण प्रजातियां) नियम, 2026 लाया गया है। ड्राफ्ट पर जुलाई में जनता से सुझाव मांगे गए थे और 1 अक्टूबर को फाइनल नोटिफिकेशन जारी किया गया।

कहां लागू होगा नियम?

यह नियम सिर्फ दिल्ली की प्राइवेट जमीन पर लागू होगा। जंगल, रिज एरिया, डीम्ड फॉरेस्ट या जहां पेड़ काटने पर किसी कानून या कोर्ट के आदेश से रोक है, वहां यह छूट नहीं मिलेगी। इन प्रजातियों से मिलने वाली लकड़ी को दिल्ली के अंदर या बाहर ले जाने के लिए भी ट्रांजिट परमिट की जरूरत नहीं होगी।

10 से ज्यादा पेड़ काटने पर क्या होगा?

10 तक पेड़ काटने के लिए मालिक को रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट और पेड़ों की जियो-टैग फोटो अपलोड करनी होगी। अगर कोई आपत्ति नहीं होगी तो 7 दिन में इजाजत मिल जाएगी। 10 से ज्यादा पेड़ काटने पर ट्री ऑफिसर 14 दिन में मौके पर जांच करेंगे और 3 हफ्ते में इजाजत देंगे। आपत्ति सिर्फ नियम, कानून या कोर्ट के आदेश के उल्लंघन पर ही मानी जाएगी। सरकार का दावा है कि इससे ग्रीन कवर बढ़ेगा, कार्बन सोखने की क्षमता बढ़ेगी और प्राकृतिक जंगलों पर दबाव कम होगा।

पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने जताई चिंता

वहीं, ट्री एक्टिविस्ट भव्रीन कंधारी ने इस फैसले पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली साफ हवा के लिए तरस रही है, तब पेड़ काटना आसान करने के बजाय सुरक्षा मजबूत करनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि अधिकारी कैसे जांचेंगे कि काटे जा रहे पेड़ वाकई कमर्शियल पौधारोपण के हैं या पुरानी हरियाली को छूट की आड़ में साफ किया जा रहा है।

सोलोमन द्वीप ने चीन को दिखाया ठेंगा; विदेशी सैन्य अड्डे पर लगाई रोक, ऑस्ट्रेलिया से किया नया सुरक्षा समझौता

मेलबर्न , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और सोलोमन द्वीप के प्रधानमंत्रियों ने बुधवार को एक द्विपक्षीय सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता इन खबरों के बीच हुआ है दक्षिण प्रशांत क्षेत्र का यह छोटा द्वीपीय देश चीन के साथ चार साल पहले हुए अपने गोपनीय रक्षा समझौते को समाप्त कर देगा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और सोलोमन द्वीप के उनके समकक्ष मैथ्यू वेल ने एक बयान में कहा कि नयी संधि सोलोमन द्वीप के प्रमुख सुरक्षा साझेदार के रूप में ऑस्ट्रेलिया की भूमिका की पुष्टि करती है। संधि में यह भी स्पष्ट किया गया है कि ऑस्ट्रेलिया से करीब 2,000 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित इस छोटे देश में किसी भी विदेशी सैन्य या सुरक्षा अड्डे की स्थापना नहीं होगी। चीन ने 2022 में सोलोमन द्वीप की तत्कालीन सरकार के साथ एक संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके बाद यह आशंका



पैदा हो गई थी कि चीनी नौसेना दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में अपना सैन्य अड्डा स्थापित कर सकती है। उसके बाद से ऑस्ट्रेलिया ने अपने प्रशांत क्षेत्र के पड़ोसी देशों के साथ कई द्विपक्षीय सुरक्षा समझौते किए हैं और यह उसी कड़ी में नवीनतम समझौता है। वेल ने मीडिया की उन खबरों की न तो पुष्टि की और न ही उनका खंडन किया, जिनमें कहा गया है कि उनकी सरकार ने बीजिंग को सूचित कर दिया है कि चीन के साथ सुरक्षा समझौते की पांच साल की अवधि 2027 की शुरुआत में समाप्त होने के बाद उसका नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। इस समझौते के तहत चीन ने सोलोमन द्वीप की राजधानी होनियारा में पुलिस प्रशिक्षक उपलब्ध कराए हैं। ऑस्ट्रेलियाई संसद भवन में अल्बनीज के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में वेल ने कहा, दुर्भाग्य से, चीन के साथ हुई संधि में गोपनीयता संबंधी एक प्रावधान है सलिए मैं इस बारे में बात नहीं कर सकता। चीन के साथ हमारी बातचीत जारी है। उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, सोलोमन द्वीप कई वर्षों से इस क्षेत्र में अनिश्चितता और संदेह का कारण रहा है। अब वे दिन बीत चुके हैं। हम दोबारा उस स्थिति में नहीं जाना चाहते। वहीं बीजिंग में चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने एक पत्रकार के उस सवाल का सीधा जवाब नहीं दिया, जिसमें पूछा गया था कि क्या सोलोमन द्वीप ने चीन के साथ सुरक्षा समझौता समाप्त करने की बात कही है। गुओ ने मंगलवार को कहा, चीन सोलोमन द्वीप के साथ संबंध विकसित करने में हमेशा आपसी सम्मान और समानता के सिद्धांत का पालन करता है। उन्होंने कहा, सोलोमन द्वीप समेत प्रशांत क्षेत्र के द्वीपीय देशों के साथ चीन के सहयोग में भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता या गुटीय टकराव का कोई तत्व नहीं है।

न्यू ऑरलियन्स से फ्लोरिडा जा रहा विमान समंदर में गिरा, दो बच्चों समेत छह लापता; बचाव अभियान जारी

मिसिसिपी, एजेंसी। मिसिसिपी के तट के पास मंगलवार को एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद, बचाव दल छह लोगों की तलाश कर रहे हैं, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। सेसना 210 नाम का यह विमान मैक्सिको की खाड़ी में, मिसिसिपी के पास्कागौला और हॉर्न आइलैंड के बीच दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हॉर्न आइलैंड गल्फ आइलैंड्स नेशनल सीशोर का हिस्सा है। कोस्ट गार्ड के प्रवक्ता जुआन रॉस ने बताया कि बचाव दल को पानी में तैरती हुई तीन लाइफ जैकेट, एक लाइफ राफ्ट और विमान का केबिन मिला है, लेकिन विमान में सवार चार वयस्क और 8 व 10 साल के दो बच्चे अभी तक नहीं मिले हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के अनुसार, यह सेसना विमान न्यू ऑरलियन्स से फ्लोरिडा के फोर्ट मायर्स जा रहा था। इस दुर्घटना की जांच करने वाले फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने मंगलवार को बताया कि उन्हें इस घटना की जानकारी है। इस महीने की शुरुआत में, दक्षिण फ्लोरिडा में एक लियरजेट 60 बिजनेस जेट सीधे जमीन से टकरा गया था।

अमेरिका में खसरे का कहर: दो की मौत, इस साल 5838 मामले आए सामने

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में खसरे का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। दो राज्यों विस्कॉन्सिन और पेंसिल्वेनिया में खसरे से जुड़ी दो और मौतें दर्ज की गई हैं। इसके साथ ही दोनों राज्यों में इस साल इस बीमारी से जान गंवाने वालों की संख्या क्रमशः तीन और नौ हो गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बढ़ते संक्रमण के बीच लोगों से टीकाकरण कराने की अपील की है।

विस्कॉन्सिन के स्वास्थ्य सेवा विभाग ने मंगलवार को बताया कि लाफायेट काउंटी में एक वयस्क की खसरे से जुड़ी दिक्कतों के चलते मौत हुई है। परिवार की निजता का सम्मान करते हुए मृतक के बारे में अतिरिक्त जानकारी साझा नहीं की गई। राज्य में इस साल अब तक खसरे के 920 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें शुक्रवार के बाद से सामने आए 88 नए मामले भी शामिल हैं। 918 मामले अगस्त में शुरू हुए प्रकोप से जुड़े हैं। राज्य में इस साल 20 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है।

पेंसिल्वेनिया में कैसे बढ़ा संक्रमण: वहीं, पेंसिल्वेनिया के स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को



सेंटर काउंटी के एक ऐसे निवासी की मौत की पुष्टि की, जो खसरे से संक्रमित पाया गया था और जिसका टीकाकरण नहीं हुआ था। विभाग ने मृतक की उम्र या पहचान से जुड़ी अन्य जानकारी नहीं दी। पेंसिल्वेनिया में इस साल अब तक 46 काउंटियों में खसरे के 1,638 मामले दर्ज किए गए हैं। 18 नवंबर के बाद से 49 नए मामले सामने आए हैं। राज्य में संक्रमण के कारण 330 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। इस साल खसरे से हुई नौ मौतें छह अलग-अलग काउंटियों में दर्ज की गई हैं। सेंटर काउंटी में यह पहली मौत है।

संक्रमण रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए: पेंसिल्वेनिया में अप्रैल के अंत में संक्रमण फैलना शुरू होने के बाद से स्वास्थ्यकर्मियों ने 287 अस्थायी टीकाकरण केंद्रों के माध्यम से खसरा, मम्प्स और रूबेला (एमएमआर) के 7,400 से अधिक टीके लगाए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि संक्रमण पर काबू पाने के लिए और टीकाकरण केंद्र खोले जाएंगे।

देशभर में कितने मामले सामने आए: अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, 19 नवंबर तक देश में खसरे के 5,838 पुष्ट मामले दर्ज किए जा चुके थे। यह संख्या 2025 में पूरे साल दर्ज किए गए 2,289 मामलों से कहीं अधिक है। इस साल सामने आए कुल मामलों में करीब 96 प्रतिशत संक्रमण के प्रकोप से जुड़े हैं। हालांकि, सीडीसी के राष्ट्रीय आंकड़ों की गणना की अंतिम तारीख राज्यों की हालिया रिपोर्ट से पहले की है। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि संबंधित राज्यों के स्वास्थ्य विभाग अपने यहां संक्रमण की सबसे ताजा स्थिति की जानकारी देते हैं।

लक्षण दिखने पर क्या सावधानी बरतें: विस्कॉन्सिन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि बुखार और शरीर पर चकत्ते जैसे लक्षण दिखाई देने पर सीधे अस्पताल या क्लीनिक जाने के बजाय पहले अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता को फोन करें, ताकि दूसरे लोगों को संक्रमण से बचाने के लिए जरूरी सावधानियां बरती जा सकें। राज्य में अगस्त से अब तक एमएमआर टीके की 55 हजार से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं।



THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है
हिन्दी समाचार पत्र
राजस्थान अपडेट
धरोहर, विकास और जनहित की खबर
| Digital Edition | RJHIN/25/A4779
शुक्रवार, 27 नवंबर, 2026

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक

केंद्र सरकार की जनसांख्यिकीय परिवर्तन समिति के समक्ष राजस्थान की सुशासन एवं सीमावर्ती विकास की पहल प्रस्तुत

मुख्य सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जनसांख्यिकीय परिदृश्य पर चर्चा

जनआधार और जन्म पंजीकरण की प्रगति प्रस्तुत की

जयपुर(नि.सं.)। केंद्र सरकार की जनसांख्यिकीय परिवर्तन संबंधी उच्चस्तरीय समिति के सदस्यों ने मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास एवं राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

समिति की ओर से उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्रा, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के पूर्व महानिदेशक श्री बालाजी श्रीवास्तव तथा प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य डॉ. शमिका रवि ने भाग लिया। समिति ने परिवहन, पंजीयन एवं मुद्रांक तथा पुलिस सहित विभिन्न विभागों से प्राप्त आंकड़ों की समीक्षा की। सदस्यों ने इन आंकड़ों के आधार पर प्रदेश में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों और उनके प्रभावों पर चर्चा की। समिति को राज्य सरकार की सुशासन एवं जनकेंद्रित प्रशासन की पहल से अवगत कराया गया। जनआधार के



अंतर्गत 8.09 करोड़ से अधिक निवासियों के अभिलेख, पहचान सत्यापन की व्यवस्था और समयबद्ध जन्म पंजीकरण में हुए सुधार की जानकारी दी गई। वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के द्वितीय चरण में 184 चिह्नित गांवों के विकास तथा शिक्षा, सड़क संपर्क एवं ग्राम अवसंरचना से संबंधित 101 कार्यों के प्रस्ताव केंद्र सरकार को अनुमोदन हेतु भेजे जाने की जानकारी भी प्रस्तुत की



गई। बैठक में पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह श्री भास्कर आत्माराम सावंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव जनजाति क्षेत्रीय विकास श्री कुंजीलाल मीणा, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आसूचना श्री प्रफुल्ल कुमार एवं जनगणना कार्य निदेशालय के निदेशक श्री विष्णु चरण मलिक सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।



आयुर्प्रवेशिका कार्यक्रम भी हुआ आयोजित

मेघवाल ने आयुर्वेद कॉस्मेटोलॉजी इकाई का किया शुभारम्भ

बीकानेर/जयपुर(नि.सं.)। केन्द्रीय कानून मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने बीकानेर के राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में आयुर्वेद कॉस्मेटोलॉजी इकाई का शुभारंभ किया। इस इकाई का उद्देश्य आयुर्वेद के प्रमाण-आधारित उपचारों के माध्यम से त्वचा, बाल एवं समग्र स्वास्थ्य एवं सौंदर्य संबंधी समस्याओं का उपचार एवं स्वास्थ्य संवर्धन करना है। केन्द्रीय मंत्री ने विद्यार्थियों से आयुर्वेद के



मूल सिद्धांतों का गहन अध्ययन करने, प्राचीन ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ समझने तथा मानव कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय द्वारा आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवाओं के विस्तार, नवाचार, अनुसंधान एवं गुणवत्तापूर्ण आयुर्वेद शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। स्वामी विमर्शानंद महाराज ने आयुर्वेद की पुरातन परंपरा और भारतीय चिकित्सा पद्धति के महत्त्व के बारे में बताया।

न्यूज इन बॉक्स



कलरफ्यूजन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में आएंगे पांच महाद्वीप के फिल्ममेकर

जयपुर में 'स्टोरीज बियॉन्ड बॉर्डर्स' थीम पर मार्च में होगा, पूर्व राजघरानों का मिला साथ

जयपुर (नि.सं.)। राजस्थान की कला, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय सिनेमा के साथ जोड़ने की दिशा में जयपुर में एक नए फिल्म महोत्सव की शुरुआत होने जा रही है। कलरफ्यूजन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का पहला संस्करण 12 और 13 मार्च 2027 को आयोजित होगा। 'स्टोरीज बियॉन्ड बॉर्डर्स' यानी सीमाओं से परे कहानियां थीम पर आधारित यह दो दिवसीय आयोजन अलग-अलग देशों की फिल्मों, संस्कृतियों और रचनात्मक अभिव्यक्तियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराएगा। दृश् सीने प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले होने वाले इस महोत्सव में अंतरराष्ट्रीय फिल्म जगत के साथ राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को भी प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा। फेस्टिवल के पहले संस्करण में अंतरराष्ट्रीय सहभागिता के लिए स्पेन, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील और ग्रीस को आमंत्रित किया गया है। इन पांच देशों में से दो देशों को आयोजन के अंतरराष्ट्रीय साझेदार के रूप में शामिल किया जाएगा।

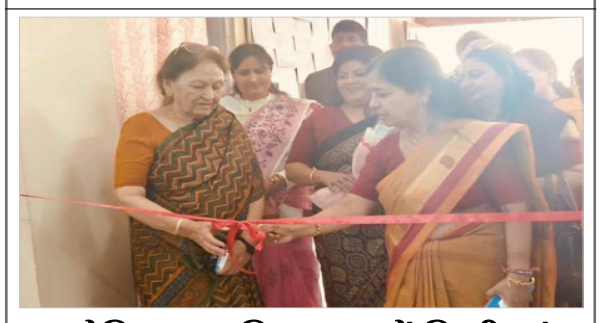

कानोड़िया महाविद्यालय में हिन्दी ग्रंथ अकादमी की पुस्तक प्रदर्शनी, 309 पुस्तकें बनीं आकर्षण का केंद्र

जयपुर(नि.सं.)। कानोड़िया पी जी महिला महाविद्यालय जयपुर में आज दिनांक 26 नवम्बर 2026 को राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर द्वारा पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । महाविद्यालय निदेशक डॉ.रश्मि चतुर्वेदी एवं प्राचार्य डॉ.सीमा अग्रवाल ने पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और छात्राओं को प्रदर्शनी का अवलोकन कर ,इस अवसर का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया । अकादमी की भाषा सम्पादक डॉ विनिता जैमन ने बताया की इस प्रदर्शनी में अकादमी की विभिन्न विषयों की 309 पुस्तकें प्रदर्शित की गई। बाजार की तुलना में सस्ती एवं मानक ये पुस्तकें छात्राओं एवं पाठकों के लिए विभिन्न प्रतियोगी परिक्षा आदि के लिए उपयोगी हैं।उप प्राचार्य (महाविद्यालय विकास)डॉ रंजुला जैन, पुस्तकालयाध्यक्ष मंजू राठौड़ एवं समस्त प्राध्यापिकाओं के साथ छात्राओं ने इस प्रदर्शनी का लाभ उठाया ।



राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 का निरीक्षण

जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त ने किया राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 का निरीक्षण

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर विकास आयुक्त श्री सिद्धार्थ महाजन ने गुरुवार को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। उन्होंने जयपुर विकास प्राधिकरण से संबंधित परिवादों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनसमस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं संवेदनशील समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महाजन ने कहा कि राजस्थान संपर्क आमजन की सेवा, सुविधा और समस्या समाधान का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर परिवादों की विस्तृत समीक्षा करने तथा लंबित प्रकरणों का



प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कर्मचारियों से संबंधित शिकायतों की भी गंभीरता से समीक्षा करने के निर्देश दिए। महाजन ने स्वयं परिवादियों से बातचीत कर उनकी शिकायतों के संबंध में जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर राहत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिकायतों के विश्लेषण में एआई के उपयोग के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मानवीय विवेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के समन्वय से शिकायत निस्तारण की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिये। उल्लेखनीय है कि 26 नवम्बर 2026 तक जयपुर विकास प्राधिकरण से संबंधित प्राप्त कुल 47,132 परिवादों में से 43,572 परिवादों का निस्तारण किया जा चुका है। इस प्रकार निस्तारण का प्रतिशत 92.45 रहा। इस अवधि में औसत निस्तारण समय 31 दिन रहा, जबकि नवम्बर माह में यह 16 दिन रहा।

जयपुर नगर निगम

जयपुर मेयर ने निगम में 11 अधिकारियों के किए ट्रांसफर



जयपुर। जयपुर नगर निगम में मेयर सुनील कोठारी ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया है। निगम के 11 अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियां दी हैं। फेरबदल में पशुप्रबंधन, फायर, उद्यान, स्टोर, एनयूएलएम और अलग-अलग जोन शामिल हैं। मेयर ने कुछ ऐसे विभागों में भी अधिकारियों की जिम्मेदारी बदली है, जिनके कामकाज को लेकर विवाद सामने आते रहे हैं। वहीं उनके अधिकारियों के बीच सामंजस्य की कमी की बात कही जा रही थी। नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर नरेंद्र कुमार बंसल ने आदेश जारी किए। इसमें करणी सिंह को पशु प्रबंधन विभाग से हटाकर किशनपोल जोन का उपायुक्त बनाया गया है। मनोहर लाल जाट को सिविल लाइंस जोन से पशु प्रबंधन विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। निहारिका शर्मा को किशनपोल जोन से हटाकर झोटवाड़ा और वैशाली नगर जोन का उपायुक्त बनाया गया है। वहीं APO चल रहे सुनील बैरवा को सिविल लाइंस जोन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।



पत्नी के हारने पर पति ने माफी मांगी

सरस डेयरी के पूर्व चेयरमैन ने लेक्चरर की नौकरी छुड़ा लड़ाया था चुनाव,सोशल मीडिया पर लिखा-मुझे माफ करना

अलवर(वि.सं.)। अलवर में जिला प्रमुख चुनाव हारने पर पूर्व सरस डेयरी चेयरमैन बन्नाराम मीणा ने अपनी पत्नी संतोष मीणा से सोशल मीडिया पर माफी मांगी है। बन्नाराम मीणा ने पोस्ट में लिखा कि मुझे माफ करना मैं आपको जिला प्रमुख नहीं बनवा पाया। चुनाव से करीब 1 महीने पहले ही संतोष मीणा ने स्वैच्छिक सेवानिवृति ली थी। अलवर सरस डेयरी के पूर्व चेयरमैन बन्नाराम मीणा की पत्नी संतोष मीणा स्कूल लेक्चरर थी। अभी करीब 13 साल की नौकरी बची थी। बन्नाराम मीणा का मूल गांव रैणी में है, इसलिए रैणी से पत्नी संतोष मीणा को जिला परिषद सदस्य का चुनाव लड़ाया था और अच्छे वोट से जीत भी दर्ज की है।

आत्मीय संवाद

राज्यवर्धन राठौड़ ने पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ किया आत्मीय संवाद



जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ एक विशेष आत्मीय मुलाकात एवं जनसंवाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

बेहद सहज और सौहार्दपूर्ण माहौल में आयोजित इस संवाद के दौरान सामाजिक, संगठनात्मक तथा जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर खुलकर विचार-विमर्श किया गया।

आत्मीय बातचीत के बीच सुने आमजन के सुझाव और समस्याएं

जनभागीदारी से विकास को गति देने पर चर्चा- संवाद के दौरान कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने पार्टी कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों के विचारों, सुझावों और समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। हंसी-मजाक और आत्मीय बातचीत के बीच झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास एवं जनकल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और आगामी कार्ययोजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई।



कोटा मेयर ने कहा- ठेकेदार की ऐसी की तैसी

बोलीं- ठेकेदारी धरी रह जाएगी, जैक लगा लेना; नाबालिग लेबर देख भड़कीं

कोटा (वि.सं.)। कोटा में मेयर अनुसुईया गोस्वामी गुरुवार सुबह वार्ड-87 में औचक निरीक्षण पर पहुंच गईं। मेयर को मौके पर न तो नाली साफ करने वाले कर्मचारी मिले और न ही झाड़ू लगाने वाले। कुछ महिला लेबर मौजूद थीं, उनमें चार नाबालिग बच्चियां थीं। यह नजारा देख महापौर गुस्सा हो गईं। उन्होंने कहा- ये क्या लापरवाही की जा रही है, ठेकेदारी की ऐसी की तैसी। मेयर ने साथ आए निगम कर्मियों से ठेकेदार को फोन लगाने को कहा। फोन पर मेयर ने ठेकेदार को कहा- ऐसा रहा तो ठेकेदारी धरी रह जाएगी फिर लगा लेना कोई भी जैक। ठेकेदारी धरी रह जाएगी, लगा लेना जैक मेयर ने ठेकेदार को कॉल कर कहा कि अनिकेत जी, यह क्या सिस्टम बना रखा है?

15 साल पुराने हत्याकांड में फैसला

पुलिस की लचर जांच और गढ़े गए सबूतों पर कोर्ट की तल्ख टिप्पणी, सभी 5 आरोपी दोषमुक्त

जयपुर(नि.सं.)।राजधानी के बहुचर्चित आइसक्रीम पार्लर संचालक सुखराम आनंद अपहरण और हत्याकांड में 15 साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद विशेष अदालत (बम ब्लास्ट केस कोर्ट) ने सभी पांच आरोपियों को बाइज्जत बरी कर दिया है। अदालत ने पुलिस की जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए माना कि अभियोजन पक्ष परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की कड़ियां जोड़ने में पूरी तरह विफल रहा है।



क्या था 2011 का यह चर्चित मामला?

प्रकरण के अनुसार, 5 नवंबर 2011 को परिवादी कवल आनंद ने जयपुर के विधायकपुरी थाने में अपने चचेरे भाई सुखराम आनंद की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सुखराम एमआई रोड पर आनंद आइसक्रीम पार्लर चलाते थे।

रिपोर्ट में बताया गया कि 5 नवंबर की सुबह करीब 11:30 बजे किसी का फोन आने पर सुखराम अपने नौकर रामकिशोर को थोड़ी देर में लौटने की बात कहकर निकले थे, लेकिन वापस नहीं आए। इसके बाद 14 नवंबर 2011 को कवल आनंद ने अपहरण और हत्या की आशंका जताते हुए दूसरी रिपोर्ट दर्ज कराई।

महत्वपूर्ण कदम

अब न्यूयॉर्क से ऑकलैंड और दिल्ली से तिरुवनंतपुरम तक फैला प्रवासी राजस्थानी चैप्टर नेटवर्क

देश-विदेश में बढ़ा राजस्थान फाउंडेशन का दायरा, अब 51 चैप्टर वर्ष 2023 में थे केवल 12 चैप्टर, पिछले तीन वर्षों में 39 नए बनाए

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने देश-विदेश में बसे प्रवासी राजस्थानियों को अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए पिछले 3 वर्षों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसी क्रम में प्रवासियों के लिए नए विभाग का गठन, राजस्थान फाउंडेशन द्वारा नए चैप्टर का गठन, जिलों में प्रवासी प्रकोष्ठ का गठन, प्रवासी राजस्थानी दिवस, प्रवासियों के साथ निरंतर संवाद, देश-विदेश में प्रवासी मीट सहित कई महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। राजस्थान फाउंडेशन का नेटवर्क अब 51 चैप्टर तक विस्तारित हो गया है। इनमें 25



राष्ट्रीय और 26 अंतरराष्ट्रीय चैप्टर शामिल हैं। वर्ष 2023 में राजस्थान फाउंडेशन के केवल 12 चैप्टर थे, जो भी क्रियाशील नहीं थे। इन सभी को क्रियाशील करने के साथ ही पिछले तीन वर्षों में 39 नए चैप्टर बनाए गए हैं।

28 नए चैप्टर गठित, 11 के गठन की प्रक्रिया शुरू

राजस्थान फाउंडेशन द्वारा प्रवासी राजस्थानियों के साथ जुड़ाव को और मजबूत करने के लिए नए चैप्टर का निरंतर विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 16 अक्टूबर, 2026 को प्रवासी राजस्थानी संवाद कार्यक्रम के दौरान 11 नए चैप्टर गठित करने की घोषणा की थी। इन सभी चैप्टर के गठन तथा अध्यक्षों के मनोनयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानी दिवस-2025 के अवसर पर 14 नए चैप्टर गठित करने की घोषणा की थी। राजस्थान फाउंडेशन द्वारा अब इन सभी 14 चैप्टर का गठन कर इन्हें क्रियाशील कर दिया गया है। इनमें 9 अंतरराष्ट्रीय और 5 राष्ट्रीय चैप्टर शामिल हैं। साथ ही, 14 नए चैप्टर्स का पूर्व में ही गठन किया जा चुका है। राजस्थान फाउंडेशन के इस विस्तार से विश्वभर में बसे प्रवासी राजस्थानियों के साथ संवाद, समन्वय और सहभागिता को नई गति मिलेगी।

स्वामी और प्रकाशक बुधमती गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। प्रधान संपादक: बुधमती गोस्वामी एवं संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, उप संपादक - मोनिका शर्मा, पीआरजीआई नं. RJHIN/25/A 4779 ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडी: editor.the uncoveredupdate@gmail.com, वेबसाइट: www.theuncoveredupdate.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।